Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबन्द में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 157 | मंगलवार, 16 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जेवर एयरपोर्ट से भरी विकास की पहली उड़ान, लखनऊ रवाना हुई पहली कमर्शियल फ्लाइट

170 किसानों के साथ शुरू हुआ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नया अध्याय, पश्चिमी यूपी को मिलेगी वैश्विक पहचान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। गौतमबुद्धनगर के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) से सोमवार को वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं का ऐतिहासिक शुभारंभ हो गया। लंबे समय से प्रतीक्षित इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने आज औपचारिक रूप से उड़ान भरते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा देने की शुरूआत कर दी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने रिबन काटकर तथा फ्लैग ऑफ कर एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल उड़ान को रवाना किया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग एवं जनपद प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की सीईओ नीतू शर्मा तथा एयरपोर्ट के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमैन सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वाणिज्यिक संचालन के पहले दिन इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए उड़ान भरी। इस विशेष उड़ान में एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी भूमि उपलब्ध कराने वाले 170 किसान शामिल रहे, जिनमें 28 महिलाएं भी थीं। किसानों के इस सम्मानजनक सफर को एयरपोर्ट के विकास में उनके योगदान की सराहना के रूप में देखा जा रहा है। लखनऊ पहुंचने पर किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश के विकास और एयरपोर्ट परियोजना को साकार करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के सबसे आधुनिक और महत्वपूर्ण हवाई अड्डों में से एक बनने जा रहा है। इसके संचालन से न केवल दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को बेहतर हवाई सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापार, पर्यटन, उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट उत्तर भारत को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट पर अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सेल्फ चेक-इन, ऑटोमेटेड बैगेज ड्रॉप सिस्टम, आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, आरामदायक यात्री सुविधाएं तथा भारतीय संस्कृति से प्रेरित वास्तुशिल्प इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। प्रारंभिक चरण में घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू किया गया है, जबकि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरूआत भी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि एयरपोर्ट को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। यहां अत्याधुनिक एयर कार्गो सुविधाएं स्थापित की गई हैं, जिससे उत्तर भारत के व्यापार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। कृषि उत्पादों, औद्योगिक सामान और निर्यात सामग्री के परिवहन में तेजी आएगी, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को पर्यावरण अनुकूल और सतत विकास की अवधारणा के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। एयरपोर्ट के संचालन में नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है। आधुनिक तकनीक और हरित ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से इसे देश के सबसे पर्यावरण-अनुकूल हवाई अड्डों में शामिल करने की योजना है।

एयरपोर्ट का प्रथम चरण प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को सेवाएं प्रदान करने की क्षमता के साथ तैयार किया गया है। भविष्य में विभिन्न चरणों में विस्तार के बाद इसकी क्षमता बढ़कर 7 करोड़ से अधिक यात्रियों तक पहुंच जाएगी। इससे यह देश के सबसे बड़े और व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल हो जाएगा। जेवर से उड़ान सेवाओं की शुरूआत को गौतमबुद्धनगर ही नहीं बल्कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। क्षेत्र के लोगों को अब दिल्ली के हवाई अड्डों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही विश्वस्तरीय हवाई यात्रा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट के संचालन से निवेश, रोजगार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा गौतमबुद्धनगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

बंगाल को केंद्र की बड़ी सौगात, ग्रामीण रोजगार के लिए 8,508 करोड़ मंजूर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास और रोजगार के लिए 8,508 करोड़ रुपये का विशेष फंड मंजूर किया है। इस फंड के तहत ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 2,400 करोड़ रुपये अलग से स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, जन कल्याण शिविरों के माध्यम से 54 सरकारी योजनाओं की जानकारी और आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

पश्चिम बंगाल के विकास और रोजगार के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़े बजट को मंजूरी दी है। इस फैसले से राज्य के ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को इस वित्तीय मदद की आधिकारिक घोषणा की। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ये विशेष फंड जारी किया है। इस बड़े फंड के मिलने के बाद राज्य में विकास कार्यों को लेकर हलचल भी तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (VB-G RAM G) योजना के तहत कुल 8,508 करोड़ रुपये का फंड मिला है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल को सबसे ज्यादा रकम दी गई है। उत्तर प्रदेश के लिए इस योजना में 9,721.48 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है।

इसके साथ ही ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए भी अलग से बजट स्वीकृत हुआ है। ग्राम सड़क योजना के तहत केंद्र ने कुल 2,400 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस कुल राशि में से 1,000 करोड़ रुपये की पहली किस्त केंद्र सरकार ने जारी भी कर दी है। इस नई VB-G RAM ऋयोजना ने अब पुरानी मनरेगा योजना की जगह ले ली है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा 'केंद्र ने इस स्कीम के तहत पश्चिम बंगाल के लिए लगभग 8,500 करोड़ रुपये का फंड दिया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का रोजगार मिल सकेगा।'

शुभेंदु अधिकारी ने ये महत्वपूर्ण जानकारियां पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से दीं। उन्होंने वहां से राज्य-व्यापी 'जन कल्याण शिविर' कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम के जरिए सरकार सीधे जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु में तीन साल की बच्ची की रेप के बाद मौत, बिहार का आरोपी मजदूर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। रेप के बाद मासूम बच्ची की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में बिहार के एक प्रवासी मजदूर को गिरफ्तार किया है। बच्चे का परिवार भी बिहार का ही है और गुम्मिडीपूंडी के एसआईपीसीओटी औद्योगिक क्षेत्र में बसा हुआ था। पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी और उसने उसे बिस्कुट का लालच देकर उसे अपने साथ ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। कल झाड़ियों वाले इलाके में मासूम बच्ची को गंभीर चोटों के साथ लावारिस हालत में पाया गया था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन आज इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इस अपराध को लेकर गुस्से में आकर कुछ अन्य लोगों पर भी हमला किया गया, क्योंकि उन पर भी इसमें शामिल होने का संदेह था।

हालांकि, पुलिस ने इस बात से इनकार किया कि इस जघन्य अपराध में एक से अधिक व्यक्ति शामिल थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'यह सामूहिक बलात्कार का मामला नहीं है। इसमें केवल एक ही व्यक्ति शामिल था।' इलाके की निवासी इंदुमती ने बताया कि बच्ची उनके घर के पास खेल रही थी, तभी आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। उस आदमी ने उसे बिस्कुट का लालच दिया और अपने साथ ले गया। बाद में एक महिला जो शौच के लिए वहां गई थी, उसने बच्ची को झाड़ियों में लावारिस हालत में पाया। उसने बच्ची को साफ किया तो देखा बच्ची की हालत गंभीर है।

मेरी पार्टी बढ़ेगी तो खुश क्यों नहीं?

एनसीपीआई ने 20 टीएमसी सांसदों के विलय का किया स्वागत, एनडीए के साथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) से चुने गए 20 सांसदों (MPs) के 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (NCPI) में विलय करने के ऐलान के बाद, NCPI के संस्थापक और राष्ट्रीय आयोजन सचिव शांतनु डे ने इस कदम का समर्थन किया और आगे बातचीत के लिए अपनी सहमति जताई। अठकसे बात करते हुए डे ने कहा कि उन्हें पहले इन घटनाक्रमों के बारे में पता नहीं था, लेकिन उन्होंने इस विलय का स्वागत किया, जिसके बारे में उन्हें सोशल मीडिया और समाचार रिपोर्टों से पता चला।

डे ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष ने यह फैसला लिया और कहा कि अगर मेरी पार्टी आगे बढ़ती है तो मैं खुश क्यों नहीं होऊँगा?' उन्होंने आगे कहा कि वह पार्टी के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करने तथा BJP के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के साथ मिलकर काम करने के लिए नए सदस्यों के साथ सहयोग करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर काकोली दी हमसे बात करती हैं, तो हम निश्चित रूप से (दिल्ली) जाएँगे। मुझे उम्मीद है कि हम बात करेंगे (NCPI और 20 TMC सांसद)। हम जल्द ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। यह घोषणा ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (AITC) के भीतर बढ़ती राजनीतिक उथल-पुथल के बाद हुई है, क्योंकि रविवार को एक बड़े गुट ने बगावत का ऐलान कर दिया। बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि 20 लोकसभा सांसद NCPI में शामिल हो गए हैं और अब वे NDA को अपना समर्थन देंगे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद घोष दस्तीदार ने कहा कि जिस ग्रुप का वह प्रतिनिधित्व करती हैं - और जो उनके दावे के मुताबिक पार्टी की कुल संख्या-बल का दो-तिहाई से ज्यादा है - उसने संसद में अलग बैठने की मांग करते हुए एक पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा कि AITC से चुने गए हम बीस सांसदों ने स्पीकर से मुलाकात की और अलग बैठने की मांग वाला पत्र सौंपा; ये बीस सांसद हमारी कुल संख्या-बल का दो-तिहाई से ज्यादा हैं। हम नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी में विलय कर रहे हैं। आगे चलकर, हम देश के लिए काम करेंगे और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में NDA के साथ मिलकर काम करेंगे।

बिहार के मंत्री दीपक प्रकाश की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, राज्य सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 15 जून को एक रिट याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में दीपक प्रकाश को बिना विधायक चुने बिहार का पंचायती राज मंत्री दोबारा बनाए जाने को चुनौती दी गई थी। सोशल एक्टिविस्ट राकेश कुमार सिंह की याचिका पर, जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस वी। मोहना की बेंच ने बिहार सरकार, दीपक प्रकाश और भारत के चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है और जवाब मांगा है। यानी पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के किसी भी सदन का सदस्य बने बगैर मंत्री के तौर पर दोबारा नियुक्ति को चुनौती देने का परीक्षण सुप्रीम कोर्ट के द्वारा किया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या वो अभी भी मंत्री पद पर हैं?

याचिकाकर्ता ने बताया कि हां दीपक प्रकाश अभी भी मंत्री हैं। उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार के वक्त दोबारा अगले छह महीने के लिए मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। ये संवैधानिक व्यवस्था का मजाक है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका में कहा गया है कि दीपक प्रकाश राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं और इसलिए राज्य सरकार के मंत्रालय में कोई पद नहीं संभाल सकते।

एफआईआर का आदेश और निगरानी में जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा अयोध्या राम मंदिर चंदा विवाद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दिए गए दान और चढ़ावे के गलत इस्तेमाल का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। लगाए गए आरोपों पर एफआईआर दर्ज करने और कोर्ट की निगरानी में जांच के निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को संबोधित यह अर्जी एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अनूप प्रकाश अवस्थी ने दायर की थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) जैसी किसी बड़ी जांच एजेंसी से स्वतंत्र जांच का आदेश देने पर विचार करे, जो सीधे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। यह कहते हुए कि यह मामला लाखों लोगों की आस्था और भरोसे से जुड़ा है, अर्जी में कहा गया है कि राम मंदिर से जुड़े दान के पैसे में कथित गड़बड़ी, गलत इस्तेमाल या गायब होने की हालिया खबरों ने देश और विदेश में भक्तों के बीच चिंता पैदा कर दी है। इसमें यह भी कहा गया है कि भले ही उत्तर प्रदेश सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई है, लेकिन औपचारिक आपराधिक जांच और एफआईआर न होने से इस मामले पर संस्थागत प्रतिक्रिया को लेकर सवाल उठे हैं। अर्जी में कहा गया, 'मैं किसी व्यक्ति, संस्था या अथॉरिटी के बारे में पहले से कोई राय नहीं बनाना चाहता। न ही मेरा मकसद ट्रस्ट पर कोई आरोप लगाना है, जिसके सदस्यों ने बहुत कीमती सेवा की है। हालांकि, आरोपों की गंभीरता और शामिल संस्था के असाधारण महत्व को देखते हुए सामान्य मानकों से कहीं ज्यादा पारदर्शिता और विश्वसनीयता की जरूरत है।' मंदिर के महत्व का जिक्र करते हुए अर्जी में कहा गया है कि भक्तों का योगदान पवित्र चढ़ावा है जो संस्था में आस्था और भरोसे को दिखाता है और ऐसे दान से जुड़े कोई भी आरोप सामान्य वित्तीय विवाद से कहीं बड़े होते हैं। इसमें आगे कहा गया, 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दिए गए चढ़ावे से जुड़ा मामला सामान्य वित्तीय गड़बड़ी के सवालों से कहीं ऊपर है। यह अनगिनत भक्तों की आस्था से जुड़ा है। यह अनगिनत भक्तों की आस्था से जुड़ा है। मुद्दा सिर्फ यह नहीं है कि कोई आर्थिक नुकसान हुआ है या नहीं। बल्कि मुद्दा यह है कि दुनिया के सबसे सम्मानित धार्मिक संस्थानों में से एक के प्रबंधन पर जनता का भरोसा बना हुआ है या नहीं।'

'राज्य सरकार की बनाई गई एसआईटी नाकाफी'

इस अर्जी में कहा गया कि राज्य सरकार की बनाई एसआईटी अपने आप में नाकाफी है। इसमें यह भी तर्क दिया गया कि जब तक किसी संवैधानिक अदालत की देखरेख में जांच नहीं होती, तब तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को जांच की निष्पक्षता को लेकर शक बना रह सकता है। इसने आगे दावा किया कि करोड़ों भक्तों के दान से जुड़े आरोपों के बावजूद अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और कहा कि आम क्रिमिनल लॉ प्रोसेस शुरू न करने से यह इंप्रेशन बन सकता है कि इस मामले को संभावित गंभीर क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट के बजाय एक एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

संपादक की कलम से

धर्मार्थ न्यासों की सामाजिक शक्ति

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक अवसरों, संसाधनों और सुविधाओं की समान पहुँच सुनिश्चित करना है। जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है, तभी उसे समावेशी विकास कहा जाता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, किंतु केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होते। ऐसे में सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास (ढ4ू’ उँ13ु ीळ14232) समाज और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में उभरते हैं। ये संस्थाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास तथा सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में कार्य कर भारत के विकास को अधिक समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास मूलत: ऐसे गैर-लाभकारी संगठन होते हैं जो किसी निजी लाभ के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित और कल्याण के लिए स्थापित किए जाते हैं। भारतीय ट्रस्ट अधिनियम तथा विभिन्न राज्यीय कानूनों के अंतर्गत कार्यरत ये संस्थाएँ समाज के उन वर्गों तक पहुँचती हैं जहाँ अक्सर सरकारी योजनाओं की पहुँच सीमित रह जाती है। यही कारण है कि इन्हें लोकतांत्रिक समाज में सामाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखा जाता है। भारत में गरीबी, अशिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी असमानताएँ लंबे समय से विकास की राह में बाधा रही हैं। सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास इन चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अनेक ट्रस्ट ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना, छात्रवृत्ति योजनाओं और पुस्तकालयों के संचालन के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता का आधार भी है। जब किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करता है, तो उसके जीवन में परिवर्तन की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। इस प्रकार धर्मार्थ न्यास सामाजिक विषमताओं को कम करने में सहायक सिद्ध होते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं। अनेक धर्मार्थ न्यास नि:शुल्क या कम लागत पर अस्पताल, स्वास्थ्य शिविर और मोबाइल चिकित्सा सेवाएँ संचालित करते हैं। कैंसर, नेत्र रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जैसी समस्याओं पर कार्य करने वाले कई ट्रस्ट लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मानव संसाधन विकास और उत्पादकता में भी वृद्धि करती है। स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र की प्रगति का आधार बनते हैं। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। समाज के अनेक हिस्सों में महिलाएँ अब भी शिक्षा, रोजगार और निर्णय-निर्माण की प्रक्रियाओं में पर्याप्त भागीदारी नहीं कर पातीं। धर्मार्थ संस्थाएँ महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों से जोड़ती हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ती है और उनका सामाजिक आत्मविश्वास मजबूत होता है। समावेशी विकास का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब महिलाओं को विकास प्रक्रिया में बराबर का भागीदार बनाया जाए। सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास समाज के कमजोर और हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए भी आशा का स्रोत हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, वृद्धजन तथा बेघर लोगों के लिए अनेक ट्रस्ट विशेष योजनाएँ संचालित करते हैं।

ललित शर्मा
संपादक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का साम्राज्य: मानवीय निर्णयों का अन्त

एन0के0शर्मा
लेखक

एक समय था जब मनुष्य ने औजार बनाए थे ताकि उसका श्रम कम हो सके। फिर उसने मशीनें बनाईं ताकि उसकी गति बढ़ सके। उसके बाद उसने कंप्यूटर बनाए ताकि उसकी गणनाएँ सरल हो जाएँ। लेकिन इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में मानव सभ्यता एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ उसने पहली बार एक ऐसी शक्ति का निर्माण किया है जो केवल उसके हाथों का नहीं, बल्कि उसके मस्तिष्क का भी विकल्प बनने का दावा कर रही है। यह शक्ति है कृत्रिम बुद्धिमत्ता–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसे कुछ लोग मानव प्रगति का सबसे बड़ा वरदान मानते हैं, तो कुछ इसे मानव स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा संभावित संकट।

दुनिया के बड़े-बड़े तकनीकी केंद्रों से लेकर छोटे कस्बों तक, विश्वविद्यालयों से लेकर युद्धक्षेत्रों तक, अस्पतालों से लेकर न्यायालयों तक, और मीडिया संस्थानों से लेकर सरकारों तक, अकने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। यह केवल एक तकनीक नहीं रह गई है; यह धीरे-धीरे एक ऐसी अदृश्य व्यवस्था बनती जा रही है जो मानव जीवन के हर निर्णय को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। प्रश्न यह नहीं है कि अककितना शक्तिशाली हो गया है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या मानव समाज उसके प्रभाव की वास्तविक सीमा को समझ भी पा रहा है या नहीं।

आज जब कोई व्यक्ति इंटरनेट पर कुछ खोजता है, कोई बैंक ऋण स्वीकृत करता है, कोई कंपनी नौकरी के लिए उम्मीदवार चुनती है, कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म समाचार दिखाता है, या कोई सरकार नागरिकों के व्यवहार का विश्लेषण करती है, तो पर्दे के पीछे कहीं न कहीं एल्गोरिदम सक्रिय होते हैं। धीरे-धीरे निर्णय लेने की प्रक्रिया मनुष्यों से खिसककर मशीनों की ओर स्थानांतरित हो रही है। यह परिवर्तन इतना शांत और क्रमिक है कि अधिकांश लोग इसकी गंभीरता को महसूस तक नहीं कर पा रहे।

अक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी दक्षता है। वह लाखों सूचनाओं का विश्लेषण कुछ सेकंड में कर सकता है। वह उन पैटर्नों को पहचान सकता है जिन्हें मनुष्य वर्षों में भी नहीं समझ पाता। चिकित्सा क्षेत्र में वह बीमारियों का शीघ्र निदान कर रहा है, कृषि में उत्पादन बढ़ाने में सहायता कर रहा है, वैज्ञानिक अनुसंधान में नई खोजों के द्वार खोल रहा है और शिक्षा को अधिक सुलभ बना रहा है। इन उपलब्धियों को नकारना न केवल अनुचित होगा बल्कि तथ्यात्मक रूप से गलत भी होगा।

लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ एक छाया भी लेकर आती है। अक की छाया केवल रोजगार का संकट नहीं है, जैसा कि अक्सर चर्चा की जाती है। उससे कहीं बड़ा संकट है मानवीय निर्णय क्षमता का धीरे-धीरे क्षीण होना। यदि कोई मशीन हर प्रश्न का उत्तर देने लगे, हर विकल्प सुझाने लगे, हर जोखिम का अनुमान लगाने लगे और हर निर्णय का मार्गदर्शन करने लगे, तो मनुष्य की स्वतंत्र सोच का क्या होगा? इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ केवल इसलिए महान नहीं बनीं क्योंकि उनके पास संसाधन थे। वे इसलिए महान बनीं क्योंकि उनके पास प्रश्न पूछने वाले, असहमति जताने वाले, जोखिम उठाने वाले और नैतिक निर्णय लेने वाले मनुष्य थे। मशीनें गणना कर सकती हैं, लेकिन वे विवेक नहीं रखतीं। वे सूचना दे सकती हैं, लेकिन अनुभव नहीं। वे तर्क प्रस्तुत कर सकती हैं, लेकिन करुणा नहीं। वे निष्कर्ष निकाल सकती हैं, लेकिन नैतिक जिम्मेदारी नहीं उठा सकतीं। सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब अकको निष्पक्ष और तटस्थ मान लिया जाता है। वास्तविकता यह है कि हर अकप्रणाली मानव निर्मित डेटा पर आधारित होती है। यदि डेटा पक्षपाती है, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। यदि प्रशिक्षण सामग्री में ऐतिहासिक अन्याय मौजूद हैं, तो अक अनजाने में उन्हीं अन्यायों को और मजबूत कर सकता है। इस प्रकार तकनीक, जो निष्पक्षता का वादा करती है, कभी-कभी असमानताओं को और गहरा करने का माध्यम बन सकती है।

मीडिया जगत इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। आज अकयह तय कर सकता है कि कौन-सी खबर लाखों लोगों तक पहुँचेगी और कौन-सी खबर डिजिटल अंधकार में खो जाएगी। कौन-सा विचार लोकप्रिय बनेगा और कौन-सा हाशिये पर धकेल दिया जाएगा। धीरे-धीरे सूचना का प्रवाह कुछ एल्गोरिदमों के नियंत्रण में आ रहा है। यह स्थिति लोकतांत्रिक विमर्श के लिए एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि लोकतंत्र केवल मतदान से नहीं चलता; वह स्वतंत्र सूचना और स्वतंत्र विचारों पर भी निर्भर करता है।

एक अन्य गंभीर प्रश्न निगरानी का है। आधुनिक अकप्रणालियाँ चेहरे पहचान सकती हैं, आवाज पहचान सकती हैं, व्यवहार का विश्लेषण कर सकती हैं और भविष्य की गतिविधियों का अनुमान लगाने का प्रयास कर सकती हैं। सुरक्षा और सुविधा के नाम पर विकसित ये प्रणालियाँ यदि जवाबदेही और पारदर्शिता के बिना संचालित हों, तो वे नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा बन सकती हैं। इतिहास यह बताता है कि किसी भी शक्ति का दुरुपयोग तब आसान हो जाता है जब उसके संचालन पर पर्याप्त निगरानी न हो।

रोजगार का प्रश्न भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। औद्योगिक क्रांति ने शारीरिक श्रम की प्रकृति बदली थी; अक मानसिक श्रम की प्रकृति बदल रहा है। लेखक, डिजाइनर, विश्लेषक, शिक्षक, प्रोग्रामर, ग्राहक सेवा प्रतिनिधि और अनेक पेशे अब तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि सभी नौकरियाँ समाप्त हो जाएँगी, लेकिन यह अवश्य है कि कार्य की परिभाषा और आवश्यक कौशल तेजी से बदलेंगे। जो समाज शिक्षा और कौशल विकास में निवेश नहीं करेंगे, वे इस परिवर्तन का सबसे अधिक मूल्य चुकाएँगे।

फिर भी अकको केवल भय के चश्मे से देखना भी उचित नहीं होगा। समस्या अक का अस्तित्व नहीं है; समस्या उसका अनियंत्रित और गैर-जवाबदेह उपयोग है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है। परमाणु ऊर्जा बिजली भी दे सकती है और विनाश भी ला सकती है। उसी प्रकार अकमानव विकास का अभूतपूर्व साधन भी बन सकता है और मानवीय स्वायत्तता के लिए चुनौती भी।

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि मशीनें कितनी बुद्धिमान हो जाएँगी। वास्तविक प्रश्न यह है कि मनुष्य कितना सजग रहेगा। यदि समाज आलोचनात्मक सोच को छोड़ देता है, यदि शिक्षा केवल सूचना संग्रहण तक सीमित हो जाती है, यदि नैतिकता तकनीकी दक्षता के सामने गौण हो जाती है, तो संकट अकनहीं होगा; संकट मानव चेतना का क्षरण होगा।

मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि महान परिवर्तन हमेशा तकनीक से नहीं, बल्कि उन मूल्यों से संचालित हुए हैं जिनके आधार पर तकनीक का उपयोग किया गया। पहिया, छापाखाना, बिजली, इंटरनेट–इन सभी ने दुनिया बदली, लेकिन अंततः निर्णय मनुष्यों ने ही लिए। अकके युग में भी यही सत्य बना रहेगा। मशीनें सुझाव दे सकती हैं, परन्तु अंतिम निर्णय का अधिकार मनुष्य के पास रहना चाहिए। क्योंकि निर्णय केवल तथ्यों का परिणाम नहीं होते; वे नैतिकता, संवेदना, संस्कृति, अनुभव और उत्तरदायित्व का भी परिणाम होते हैं।

आज दुनिया एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहाँ एक मार्ग तकनीकी सुविधा का है और दूसरा मानवीय गरिमा का। बुद्धिमानी इसी में है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। अक को मानवता का सेवक बनाना होगा, स्वामी नहीं। उसे मानव क्षमता का विस्तार बनाना होगा, उसका प्रतिस्थापन नहीं। क्योंकि जिस दिन मनुष्य ने अपने निर्णयों की जिम्मेदारी पूरी तरह मशीनों को सौंप दी, उस दिन तकनीकी विजय तो संभवतः प्राप्त हो जाएगी, लेकिन मानवीय स्वतंत्रता की सबसे बड़ी पराजय भी उसी दिन लिखी जाएगी।

सभ्यता का भविष्य इस बात से निर्धारित नहीं होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कितनी आगे बढ़ती है, बल्कि इस बात से होगा कि मानव बुद्धिमत्ता, नैतिक विवेक और स्वतंत्र चेतना उसके साथ कितनी मजबूती से खड़ी रहती है। यदि मनुष्य अपने प्रश्न पूछना, अपने निर्णय लेना और अपनी जिम्मेदारियाँ निभाना नहीं छोड़ेगा, तो अकएक क्रांति सिद्ध होगा। लेकिन यदि वह सोचने का अधिकार भी मशीनों को सौंप देगा, तो इतिहास संभवतः इसे मानव उपलब्धि नहीं, बल्कि मानव आत्मसमर्पण के युग के रूप में याद करेगा।

रिश्तें

मोनिका डागा

कविता

जिंदगी में रिश्ते वही मजबूत होते हैं,
अन्तर्मन में बिन कहे जो महसूस होते हैं,
मन की मौन भाषा भी बखूबी समझते है,
सुख–दुख में सदा ही साथ खड़े होते है ।

सच्चे प्यार की खुशबू से भरपूर होते हैं,
बनावटीपन स्वार्थ से कोसों दूर होते हैं,
दिल की जमीन पर खुशी बन धड़कते है,
जिंदगी में सुकून के पलों सा जड़े होते हैं ।

जीवन की अद्भुत अनोखी मिठास होते हैं,
उम्र भर का सहेजा हुआ विश्वास होते हैं,
मन के ऑगन में नेह गीत बन चहकते है,
आखिरी दम तक हाथ थामें पड़े होते है ।

पुराने बरगद की शीतल छाँव से होते हैं,
खुशियों से सजे पुश्तैनी गाँव से होते हैं,
भावों के पुष्प जहाँ स्वतंत्र खिलते हैं,
अनमोल धन रत्नों से सजे कड़े होते हैं ।

जीवन 'आनंद' अनहद नाद होते हैं,
शुभ कर्मों का ईश्वरीय प्रसाद होते हैं,
दुआओं के इत्र सा जीवन में महकते हैं,
तूफान ऑधियों में ढाल सा अड़े होते हैं ।

सुशासन का अनिवार्य मानक ‘सरकार आपके द्वार’: नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण और डिजिटल गवर्नेंस का नया मॉडल

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।पीएम से लेकर केंद्र और राज्य स्तर के प्रत्येक मंत्री के भाषणों में विकसित भारत एक केंद्रीय संकल्प के रूप में उभरकर सामने आता है। इस संकल्प के चार प्रमुख स्तंभ, तकनीकी नवाचार, आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन और सुशासन भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाले तत्व माने जा रहे हैं।

इनमें से सुशासन वह आधार है, जिसपर बाकी सभी स्तंभ टिके होते हैं। किंतु जमीनी हकीकत यह है कि सरकारी और न्यायालयीन कार्यालयों में व्याप्त अनुशासनहीनता, कमजोर दंड व्यवस्था और कार्य-संस्कृति की गिरावट इस सपने को खोखला करने का कार्य कर रही है।

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत के आम नागरिक के लिए सुशासन कोई सैद्धांतिक शब्द नहीं,बल्कि रोजमर्रा का अनुभव है। सरकारी दफ्तरों के चक्कर, अनसुनी शिकायतें,बिना पहचान आईकार्ड के कर्मचारी, ड्रेस कोड का उल्लंघन, फाइलों का महीनों लंबित रहना और जवाबदेही का अभाव।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास के क्षरण का संकेत है।दूसरी तरफ दिल्ली और पंजाब की सरकार प्रमुखता से सरकार तुहाडे द्वार व सरकार आपके द्वार के माध्यम से घर-घर सेवाएं प्रदान कर रही है।इस पहल के तहत, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंजाब में 10 दिसंबर 2023 से 43 सरकारी सेवाएं नागरिकों के घर तक पहुंचाई जा रही हैं, जिसमें दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। इस तर्ज पर पूरे देश की राज्य सरकारों को यह मॉडल अपनाने की खास जरूरत है।

साथियों बात अगर हम सुशासन की अवधारणा: अंतरराष्ट्रीय मानकों में भारत कहां खड़ा है इसको समझने की करें तो विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र और ओसीईडी जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुसार सुशासन के प्रमुख तत्व हैं,पारदर्शिता,जवाबदेही, कानून का शासन,दक्षता और नागरिक- केन्द्रित सेवाएं।

विकसित देशों में सरकारी कर्मचारी केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि सार्वजनिक विश्वास के संरक्षक माने जाते हैं।वहां ड्रेस कोड,पहचान पत्र, समयबद्ध सेवा और व्यवहारिक शिष्टाचार अनिवार्य प्रशासनिक अनुशासन का हिस्सा हैं। इसके विपरीत भारत में अनेक सरकारी और न्यायालयीन कार्यालयों में कर्मचारी न तो निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करते हैं, न ही पहचान पत्र प्रदर्शित करते हैं। यह केवल एक औपचारिक कमी नहीं,बल्कि सत्ता और नागरिक के बीच असमानता की मानसिकता को दर्शाता है, जहां कर्मचारी स्वयं को जवाबदेह नहीं मानता।

साथियों बात अगर हम अनुशासन हीनता: विकसित भारत की सबसे बड़ी आंतरिक बाधा इसको समझने की करें तो,अनुशासन किसी भी संगठन की रीढ़ होता है,विशेषकर शासन व्यवस्था में। किंतु भारत के शासकीय कार्यालयों में अनुशासन की भारी कमी एक सामान्य दृश्य बन चुकी है।

कार्यालय समय का पालन न करना,नागरिकों से असम्मानजनक व्यवहार, नियमों की खुली अवहेलना और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आंख मूंद लेना ये सभी प्रशासनिक विफलता के स्पष्ट संकेत हैं।न्यायालयीन परिसरों में भी स्थिति भिन्न नहीं है।

न्याय के मंदिरों में यदि अनुशासन और पारदर्शिता ही कमजोर हो, तो आम नागरिक का न्याय प्रणाली पर विश्वासडगमगाना स्वाभाविक है। विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

साथियों बात अगर हम कमजोर दंड व्यवस्था और दण्डहीनता की संस्कृति इसको समझने की करें तो प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन तभी रुकता है जब उसके परिणाम स्पष्ट और कठोर हों।

भारत में समस्या यह नहीं है कि नियम नहीं हैं, बल्कि यह है कि नियमों के उल्लंघन पर दंड की प्रक्रिया कमजोर,धीमी और अक्सर राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव से प्रभावित रहती है। जब कर्मचारी जानते हैं कि ड्रेस कोड न मानने, पहचान पत्र न लगाने या नागरिकों को परेशान करने पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होगी,तो अनुशासन स्वतः समाप्त हो जाता है।

दण्डहीनता की यह संस्कृति सुशासन के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

साथियों बात अगर हम फाइल संस्कृति,देरी और प्रशासनिक उदासीनता इसको समझने की करें तो फाइल लंबित है भारत की शासन व्यवस्था का सबसे कुख्यात वाक्य बन चुका है।

समय पर काम न होना, अनावश्यक प्रक्रियाएं और कर्मचारियों की उदासीनता न केवल आर्थिक विकास को धीमा करती हैं,बल्कि नागरिकों को मानसिक,सामाजिक और आर्थिक पीड़ा भी देती हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताता है कि विकसित देशों में प्रशासनिक दक्षता को मापा जाता है,प्रत्येक सेवा की समय सीमा तय होती है और विलंब के लिए जिम्मेदारी निर्धारित की जाती है।

भारत में अभी भी यह संस्कृति व्यापक रूप से विकसित नहीं हो पाई है। साथियों बात अगर हम नौकरशाही का दबदबा और नागरिक-केन्द्रित शासन का अभाव इसको समझने की करें तो भारत की शासन व्यवस्था ऐतिहासिक रूप से औपनिवेशिक नौकरशाही से प्रभावित रही है, जहां प्रशासन शासक-केन्द्रित था, नागरिक-केन्द्रित नहीं। आजादी के दशकों बाद भी यह मानसिकता पूरी तरह बदली नहीं है। कई सरकारी कार्यालयों में नागरिक को याचक की तरह देखा जाता है, जबकि वास्तव में वह करदाता और अधिकारधारी है।

विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब प्रशासन स्वयं को सेवा प्रदाता और नागरिक को ग्राहक नहीं, बल्कि साझेदार माने। साथियों बात अगर हम राजनीतिक हस्तक्षेप और जवाबदेही का संकट इसको समझने की करें तो,सुशासन की राह में राजनीतिक हस्तक्षेप एक और बड़ी बाधा है। जब अनुशासनात्मक कार्रवाई राजनीतिक दबाव में कमजोर पड़ती है, तो संदेश स्पष्ट होता है नियम सभी पर समान रूप से लागू नहीं होते।

यह स्थिति प्रशासनिक मनोबल को भी कमजोर करती है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो मजबूत लोकतंत्र वही हैं। जहां प्रशासनिक निर्णय कानून और नियमों के आधार पर होते हैं, न कि राजनीतिक संरक्षण पर।

साथियों बात अगर हम विकसित भारत के लिए आवश्यक संरचनात्मक सुधार को समझने की करें तो विकसित भारत 2047 केवल आर्थिक आंकड़ों का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति के परिवर्तन का मिशन है।

इसके लिए सबसे पहले कार्यकुशलता में सुधार आवश्यक है। सरकारी और न्यायालयीन प्रक्रियाओं का व्यापक डिजिटलीकरण, समयबद्ध सेवाएं और प्रदर्शन- आधारित मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। डिजिटल गवर्नेंस केवल तकनीक नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही का माध्यम है। जब हर प्रक्रिया ट्रैक होती है, तो अनुशासन स्वतः मजबूत होता है।

साथियों बात अगर हम अनुशासन लागू करने के लिए कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई को समझने की करें तो अनुशासन बनाए रखने के लिए नियमों का सख्ती से पालन और उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।

ड्रेस कोड, पहचान पत्र और नागरिक व्यवहार जैसे बुनियादी नियमों की अनदेखी पर केवल कर्मचारी ही नहीं, बल्कि संबंधित अधीक्षक और वरिष्ठ अधिकारी की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। नियमों का पालन सुझाव नहीं, बल्कि अनिवार्यता होना चाहिए।यही विकसित शासन व्यवस्था की पहचान है।

प्रशिक्षण, नैतिकता और कार्य-संस्कृतिप्रशासनिक सुधार केवल दंड से नहीं, बल्कि प्रशिक्षण से भी आता है। कर्मचारियों के लिए नैतिक, व्यवहारिक और कार्य-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य किए जाने चाहिए।

उन्हें यह समझाना आवश्यक है कि वे सत्ता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवा के वाहक हैं। विकसित देशों में सरकारी सेवा को पब्लिक ट्रस्ट माना जाता है। भारत को भी इसी दिशा में अपनी प्रशासनिक संस्कृति को पुनर्गठित करना होगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विकसित भारत का रास्ता अनुशासन से होकर जाता है,विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा जब सुशासन केवल भाषणों का विषय न रहकर, कार्यालयों की कार्य-संस्कृति में दिखाई दे।

ड्रेस कोड से लेकर जवाबदेही तक, पहचान पत्र से लेकर समयबद्ध सेवा तक ये सभी छोटे दिखने वाले तत्व वास्तव में राष्ट्र निर्माण की नींव हैं।

यदि प्रशासनिक अनुशासन, दंड व्यवस्था और नागरिक- केन्द्रित दृष्टिकोण में त्वरित और ठोस सुधार नहीं हुए, तो तकनीकी नवाचार और आर्थिक विकास भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। विकसित भारत का मार्ग केवल बड़े विजन से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रशासनिक सुधारों से होकर गुजरता है, और यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

नारी शक्ति क्लब द्वारा ग्यारहवें स्थापना दिवस का आयोजन

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। कहते हैं जो दूसरों की राह में उजाला फैलाते हैं, उनकी राहें स्वतः प्रकाशमान हो उठती हैं। 'नारी शक्ति क्लब' पूरनपुर ने इसी वाक्य को चरितार्थ किया है।क्लब द्वारा ग्यारहवां स्थापना दिवस राम होटल में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।जिसका उद्देश्य हमेशा ही नारी शक्ति को बढ़ावा देना रहा है।यह क्लब वास्तव में मुक्ता जैन , सविता खण्डेलवाल , मिंटी मंडेर , मीरा गुप्ता एवं मोनिका गुप्ता का स्वप्न था, जिससे नारियों में स्वयं में छिपे नैसर्गिक गुण को पहचानने एवं आत्मविश्वास को निखारकर समाज के लिए कुछ करने का जज्बा जीवंत हो सके। आज उनके इसी स्वप्न को पूर्ण हुए ग्यारह वर्ष हो गए हैं और 'नारी शक्ति क्लब' ने एक विशाल रूप ले लिया है। आयोजन के प्रारंभ में सर्वप्रथम सोनल खण्डेलवाल एवं रुचि मल्होत्रा ने स्वनिर्मित मोम का स्मृति चिन्ह देकर सभी सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात सबने मिलकर राष्ट्रगान एवं गायत्री मंत्र का उच्चारण किया।

अर्चना सिंघल के कुशल संचालन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभी सदस्यों ने रिबन पर नारी शक्ति को प्रेरित करने हेतु कुछ पंक्तियां लिखी थीं। जिसे सबने पढ़कर सुनाया।सविता खण्डेलवाल ने क्लब के उत्थान एवं पथ प्रशस्त हेतु संदेश प्रेषित किया एवं क्लब के नवल सत्र का उद्घाटन करते हुए नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रभा गुप्ता , सचिव डॉ. नीता सुशील अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष मोनिका होड़ा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूर्व अध्यक्ष अंजली गुप्ता एवं पूर्व सचिव स्मिता गुप्ता ने उन्हें बैच लगाकर सम्मानित किया। सभी सदस्यों ने उन्हें बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दीं। नव-निर्वाचित सदस्यों ने सभी का आभार व्यक्त किया।तत्पश्चात अंजली गुप्ता ने सभी के समक्ष वर्ष 2025-26 के मध्य किये गये कार्यों का उल्लेख किया। वास्तव में इस वर्ष भी नारियों के उत्थान हेतु कई बड़े आयोजनों के साथ कक्षाएं संचालित की गईं। डॉ नीता सुशील अग्रवाल जी ने नारी शक्ति को समर्पित गीत सुनाया। मंजरी गुप्ता एवं मोनिका होड़ा ने पंक्चुअलिटी गेम कराया, जिसकी अर्चना सिंघल एवं दीपिका गुप्ता विनर रहीं। सुधा गुप्ता ने फन गेम्स करायें, जिसकी विनर मिंटी मंडेर एवं रानी चंदी जी रहीं। बाद में रानी चंदी ने हाउजी खिलवाई। आयोजन में डेकोरेशन की सुंदर व्यवस्था मोनिका होड़ा की एवं फूड मैनेजमेंट की समुचित व्यवस्था संगीता एवं दीपिका गुप्ता की रही। अंजली गुप्ता एवं स्मिता गुप्ता ने मिंटी मंडेर जी, डॉ नीता सुशील अग्रवाल जी एवं डॉ सुगंध अग्रवाल जी को उनके लेखन के लिए खूबसूरत स्मृति चिन्ह देकर एवं पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, जिसके लिए उन्होंने हृदय से सभी का आभार प्रकट किया। अंत में केक काटकर सभी ने इस क्षण को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम में 'नारी शक्ति क्लब' के सभी सदस्य मिंटी मंडेर , सविता खण्डेलवाल , अंजली गुप्ता , स्मिता गुप्ता , मोनिका होड़ा , मीरा गुप्ता , प्रभा गुप्ता अर्चना सिंघल , सुधा गुप्ता , डॉ. नीता सुशील अग्रवाल , संगीता गुप्ता , दीपिका गुप्ता , रानी चंदी , अनुराधा गुप्ता , मंजरी गुप्ता , रुचि मल्होत्रा , सोनल खण्डेलवाल आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के वरिष्ठ सदस्य मुकेश त्यागी के बड़े भाई का निधन, संस्था पदाधिकारियों ने जताया शोक

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के वरिष्ठ प्रशासनिक सदस्य मुकेश त्यागी के बड़े भाई डॉ. सुरेशचंद त्यागी (बड़ वाले) का निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता एवं हापुड़ जिला अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र त्यागी के नेतृत्व में संस्था के पदाधिकारी और सदस्य ग्राम सबली पहुंचे तथा शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की।इस अवसर पर जिला सचिव मुकेश प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान शौदान सिंह कसाना, मोनू खान, विनीत त्यागी, संजय त्यागी, आजाद कसाना, नरेश त्यागी तथा उमेश त्यागी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. सुरेशचंद त्यागी का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है और उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

7 वर्षों से बदहाल है गांव के बाहर की मुख्य गली, शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। विकास खंड बिलसंडा के ग्राम नवदिया रामपुर अमृत में गांव के बाहर स्थित मुख्य गली पिछले लगभग सात वर्षों से बदहाली का शिकार बनी हुई है। गली की जर्जर स्थिति और जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार गली के किनारे बना नाला लंबे समय से जाम पड़ा हुआ है, जिसके कारण गंदा पानी गली और आसपास के क्षेत्र में जमा रहता है। नाले की नियमित सफाई न होने से जलभराव की समस्या लगातार बनी हुई है। इसके साथ ही आसपास कूड़े के ढेर लगे रहने से क्षेत्र में गंदगी का माहौल बना रहता है, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान सुरेश बाबू से शिकायत की और समाधान की मांग की, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद न तो नाले की सफाई कराई गई और न ही गली के निर्माण के लिए कोई ठोस पहल की गई।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। बारिश का पानी और नाले का गंदा पानी मिलकर पूरी गली को कीचड़युक्त बना देता है। ऐसे में पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार लोग फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं।

गंदे पानी और कूड़े के ढेर के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी इस गंभीर समस्या पर अभी तक अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के बाहर स्थित इस मुख्य गली का शीघ्र निर्माण कराया जाए, जाम नाले की सफाई कराई जाए तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर तत्काल समाधान कराने की मांग की है, ताकि वर्षों पुरानी इस समस्या से क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

जन समस्याओं को लेकर भाकियू एकता शक्ति का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा लखनऊ, मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

राजेंद्र सिंह

लखनऊ(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देविंदर यादव एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास तथा ऊर्जा मंत्री अरविंद शर्मा के आवास पर पहुंचकर उच्च अधिकारियों से मुलाकात की और जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा प्रतिनिधिमंडल ने जनपद गौतम बुद्ध नगर एवं बुलंदशहर की प्रमुख समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, जर्जर एवं खराब सड़कों की मरम्मत कराने, विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान तथा भू–माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की।भाकियू एकता शक्ति के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों, मजदूरों एवं आम नागरिकों को इन समस्याओं के कारण लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए इन मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान किया जाना आवश्यक है।मुख्यमंत्री आवास एवं ऊर्जा मंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित जनपदों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लिया जाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए जाएंगे।भाकियू एकता शक्ति ने उम्मीद जताई कि सरकार एवं प्रशासन जनहित से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों का शीघ्र समाधान कर आम जनता को राहत प्रदान करेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रतिनिधि अभिषेक शर्मा, युवा राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी, बाराबंकी जिलाध्यक्ष विपिन लोधी तथा युवा महानगर अध्यक्ष सतीश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशे की हालत में वाहन चलाने बालो के विरुद्ध चलाया गया विशेष अभियान

नाबालिक बच्चों द्वारा वाहन चलाने फाल्टी नम्बर प्लेट(हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के विरुद्ध भी की कारवाही

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री, उ०प्र० की मंशा के अनुरूप पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० के मार्गदर्शन में निदेशक / अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गये निदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक, जनपद पीलीभीत के कुशल नेतृत्व में जन एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद पीलीभीत में स्थित दो टोल प्लाजा पर ' नशे की हालत में वाहन चलाये जाने 'ड्रंकन ड्राइविंग' (ड्रंकिन ड्राइविंग), मॉडिफाइड साइलेन्सर, प्रेशर हॉर्न, हूटर / सायरन, नाबालिक बच्चों द्वारा वाहन चलाने, फॉल्टी नम्बर प्लेट / एच०एस०आर०पी० (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट)' के विरूद्ध दिनांक 13.जून व 14.जून 2026 को विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद पीलीभीत के थाना बीसलपुर व थाना गजरौला एवं यातायात पुलिस द्वारा सघन चैकिंग की गयी जिसके अन्तर्गत कृत प्रवर्तन की कार्यवाही का विवरण निम्नवत है-शराब पीकर वाहन चलाने 'ड्रंकन ड्राइविंग' में तेइस चालान, मॉडिफाइड साइलेन्सर में तीन चालान, प्रेशर हॉर्न में छप्पन चालान, हूटर / सायरन में चौबीस चालान, नाबालिक बच्चों द्वारा वाहन चलाने के विरूद्ध तीन चालान, फाल्टी नम्बर प्लेट / एच०एस०आर०पी० (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) में अठाइस चालान सहित कुल एक सौ सैतीस चालान कर 5,12,500 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।

पच्चीस लाख के घोटाले की जांच अधर में, ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/पूरनपुर। विकास खंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत अमरैया कलां में हुए कथित 25 लाख रुपये के घोटाले का मामला एक बार फिर गरमा गया है। जिलाधिकारी पीलीभीत के आदेशों के बावजूद जांच पूर्ण न होने और दोषियों पर कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने अब सीधे सूबे के माननीय मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।ग्रामीणों (दयाराम, छत्रपाल आदि) द्वारा 9 फरवरी 2024 को ग्राम पंचायत में 25 लाख रुपये के घोटाले की शिकायत की गई थी। शुरूआती जांच में प्रांतीय खण्ड लोक निर्माण विभाग पीलीभीत के अधिकारियों ने घोटाले की पुष्टि तो की, लेकिन प्रधान व सचिव द्वारा गबन की गई सटीक धनराशि निश्चित नहीं हो सकी। इस पर असंतोष जताते हुए जिलाधिकारी ने पुनः जांच के आदेश दिए और धनराशि सुनिश्चित करने को कहा। दोबारा जांच के लिए अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत पीलीभीत हरमीक सिंह तथा जेई सालिकराम को नामित किया गया।शिकायत पत्र के अनुसार, जिला पंचायत की एक बैठक में जिला कृषि अधिकारी से विवाद होने के कारण मुख्य जांचकर्ता (अपर मुख्य अधिकारी) का स्थानांतरण लखनऊ कर दिया गया। इसके बाद से घोटाले की जांच पूरी नहीं हो सकी और न ही जांच आख्या जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान सत्यपाल शर्मा तथा ग्राम पंचायत अधिकारी सौरभ गंगवार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की सही जांच न होने के कारण अब तक कोई परिणामात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। उल्टा, ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा लगातार नए कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है।

ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी की बैठक सम्पन्न, राजीव गुप्ता बने जिला व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष पं. गोपाल शर्मा ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- व्यापारी असुरक्षित और महंगाई से जनता परेशान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में कूचेसर रोड चौपला स्थित जिला कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने की। बैठक में संगठन विस्तार, व्यापारियों की समस्याओं तथा आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने राजीव गुप्ता को पार्टी के जिला व्यापार प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया।

नियुक्ति के बाद राजीव गुप्ता ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन को जनपद के प्रत्येक क्षेत्र तक मजबूत करने का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही व्यापार प्रकोष्ठ की टीम के विस्तार और संगठनात्मक मजबूती को लेकर जिला कार्यालय पर एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के उपरांत पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, महंगाई और टोल टैक्स जैसे मुद्दों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश का व्यापारी वर्ग स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है और अपराध की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर जनता पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। एक ओर नए हाईवे बनाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आम लोगों को भारी-भरकम टोल टैक्स का भुगतान करना पड़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी जल्द ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया और जनसंपर्क अभियान को तेज करने का निर्देश दिया।

आईजीआरएस का फर्जी निस्तारण करने वाले पूर्ति निरीक्षक की मुख्यमंत्री से शिकायत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/ पूरनपुर। आईजीआरएस पर गलत आख्या लगाकर शिकायत का फर्जी निस्तारण करने वाले पूर्ति निरीक्षक की मुख्यमंत्री से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की। जनपद की पूरनपुर तहसील के पूर्ति निरीक्षक वृजेश कुमार मिश्रा आजकल शिकायत का फर्जी निस्तारण करने के मामले में चर्चा में हैं।

तहसील क्षेत्र के ग्राम अमरैया कलां निवासी रामू ने सोमवार को मुख्यमंत्री के कालीदास मार्ग पर स्थित आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में शिकायती पत्र दिया। रामू ने बताया कि उन्होंने अपात्र का गलत राशनकार्ड जारी करने की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की थी।

शिकायत की जांच के लिए पूरनपुर पूर्ति निरीक्षक वृजेश मिश्रा गांव आए और जांच करके गलत आख्या लगाकर शिकायत का फर्जी निस्तारण कर दिया। आईजीआरएस पर दर्ज शिकायतों का फर्जी निस्तारण करने के मामले में जनपद पीलीभीत का नाम सबसे ऊपर आता है। जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायत का गलत निस्तारण करने की शिकायत जिलाधिकारी से की थी।

तब पूर्ति निरीक्षक वृजेश मिश्रा ने 5 दिन सही जांच आख्या लगाकर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का आश्वासन दिया था। लेकिन लगभग 45 दिन के बाद भी शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया और न ही पूर्ति निरीक्षक पर कार्यवाही हुई।

सोमवार को रामू ने जनता दरबार में मुख्यमंत्री शिकायत की और रिश्वत के नशे में गलत जांच आख्या लगाकर शिकायत का फर्जी निस्तारण करने वाले पूर्ति निरीक्षक उच्च स्तरीय जांच कर कार्यवाही की मांग की।

हापुड़ में लूट-डकैती की घटनाओं के सफल खुलासे पर एसपी को किया सम्मानित

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद हापुड़ में हाल ही में हुई लूट एवं डकैती की घटनाओं के सफल खुलासे तथा अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के लिए भारतीय किसान यूनियन संघर्ष अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक हापुड़ को सम्मानित किया।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरणजीत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी कार्यशैली की सराहना की। पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, जिससे आम जनता में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लूट एवं डकैती जैसी गंभीर घटनाओं का त्वरित खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार करना सराहनीय कार्य है। संगठन ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी पुलिस इसी प्रकार अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाती रहेगी। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों में पदम सिंह निमेष (प्रदेश अध्यक्ष, पश्चिम उत्तर प्रदेश), यशवंत ठाकुर (प्रदेश उपाध्यक्ष), नवनीत तोमर (प्रदेश महासचिव), सलमान सिद्दीकी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पश्चिम उत्तर प्रदेश), विजय शर्मा (प्रदेश सचिव, पश्चिम उत्तर प्रदेश) तथा दिनेश जाटव (प्रदेश सचिव) सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों के त्वरित खुलासे के लिए पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए जनहित के कार्यों में भविष्य में भी सहयोग देने का भरोसा व्यक्त किया।

प्रेमिका की हत्या करने वाला आरोपी प्रेमी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त दुपट्टा बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना धौलाना पुलिस ने प्रेमिका की हत्या के आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने नामजद वांछित अभियुक्त को ग्राम उदयरामपुर नगला स्थित नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दुपट्टा भी बरामद किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अमृतलाल यादव पुत्र बुझई यादव निवासी ग्राम निकासीपुर, पोस्ट मार्टिनगंज, थाना दिलदारगंज, जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पिछले 8-9 वर्षों से लुधियाना (पंजाब) में किराये की दुकान लेकर मोमोज बेचने का कार्य करता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात अनु देवी पुत्री चन्द्र मौर्य निवासी श्मशान घाट रोड, मंडी गोविंदगढ़, फतेहाबाद (पंजाब) से हुई थी, जो एक आयुर्वेदिक कंपनी में कार्यरत थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए थे।आरोपी ने बताया कि घटना से दो-तीन दिन पूर्व वह शेखपुर खिचरा स्थित एक प्लास्टिक कुर्सी निर्माण कंपनी में काम करने लगा था। इसी दौरान अनु देवी द्वारा उस पर अपनी पत्नी से संबंध समाप्त करने का दबाव बनाया जा रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच लगातार विवाद होने लगा। आरोपी के अनुसार वह इस विवाद से परेशान हो गया था। इसी रंजिश और विवाद के चलते उसने अनु देवी के दुपट्टे से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आगरा से राजनाथ सिंह का राजनीतिक संदेश: राष्ट्रवाद, विकास और मजबूत नेतृत्व के सहारे 2027 की तैयारी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अभी समय भले ही शेष हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपने संदेशों और प्राथमिकताओं को जनता तक पहुंचाने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में आगरा के शमशाबाद में आयोजित महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण समारोह भाजपा के लिए केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि पार्टी की वैचारिक प्रतिबद्धताओं, राजनीतिक उपलब्धियों और आगामी चुनावी रणनीति को सामने रखने का महत्वपूर्ण मंच बन गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में इतिहास, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास को एक सूत्र में पिरोते हुए भाजपा की राजनीतिक सोच को विस्तार से रखा। उनके भाषण में जहां महाराणा प्रताप के संघर्ष और स्वाभिमान का उल्लेख था, वहीं विपक्षी दलों की राजनीति पर तीखे प्रहार भी देखने को मिले।

नक्सलवाद पर नियंत्रण का दावा

रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस नक्सलवाद को कभी देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती माना जाता था, उस पर सरकार ने प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने इसे मजबूत प्रशासन और सुरक्षा नीति का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सुरक्षा और विकास दोनों को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है तथा देश के दूरदराज क्षेत्रों तक विकास पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

2027 के चुनावी परिदृश्य में भाजपा का संदेश

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो शमशाबाद का यह कार्यक्रम भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दों-राष्ट्रवाद, राम मंदिर, धारा-370, आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास-को एक मंच पर प्रस्तुत करने का माध्यम बना।

विपक्ष पर तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए भाजपा ने यह संकेत देने का प्रयास किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी उसकी रणनीति राष्ट्रीय मुद्दों, विकास और मजबूत नेतृत्व के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेगी।

महाराणा प्रताप के संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीकात्मक संदर्भके माध्यम से भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश को ऐतिहासिक और भावनात्मक आधार देने का प्रयास किया। राजनीतिक पर्यवेक्षकों की नजर में आगरा की यह सभा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के चुनावी नैरेटिव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह, योगेंद्र उपाध्याय, बेबी रानी मौर्य, केंद्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल, सांसद राजकुमार चाहर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनियां, प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान,

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, विधायक छोटेलाल वर्मा, पूर्व विधायक डॉ. राजेंद्र सिंह, रामसकल गुर्जर, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धारा-370 और राम मंदिर का उल्लेख

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने और अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण को भाजपा सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियां बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करके दिखाया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे मुद्दे भाजपा के वैचारिक आधार और कोर समर्थक वर्ग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आगामी चुनावों को देखते हुए इन उपलब्धियों का उल्लेख भाजपा की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर सख्त रुख

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद और सीमा सुरक्षा के मुद्दों पर भी सरकार की नीतियों को मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि पहले देश लगातार आतंकी घटनाओं का सामना करता था, लेकिन आज सुरक्षा बलों को आवश्यक कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आतंकवाद के प्रति सरकार की नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस पर आधारित है। उनके अनुसार देश अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं बल्कि आवश्यक होने पर निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है।

'हम तुष्टिकरण नहीं, इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करते हैं'

रक्षा मंत्री ने भाजपा और विपक्ष की राजनीति के बीच अंतर स्पष्ट करने का प्रयास करते हुए कहा कि भाजपा जाति, धर्म और पंथ के आधार पर राजनीति नहीं करती, बल्कि इंसाफ और इंसानियत की राजनीति में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह संदेश उन दलों पर अप्रत्यक्ष हमला माना जा रहा है जो सामाजिक और जातीय समीकरणों के आधार पर अपनी राजनीतिक रणनीति तैयार करते हैं। भाजपा लंबे समय से स्वयं को विकास और राष्ट्रहित आधारित राजनीति करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करती रही है और राजनाथ सिंह का यह बयान उसी विचारधारा को आगे बढ़ाता दिखाई दिया।

पाकिस्तान को चेतावनी

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि पड़ोसी देश अपनी गतिविधियों से बाज नहीं आया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सिंधु जल समझौते के निलंबन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अपने हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। विश्लेषकों के अनुसार ऐसे बयान राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रवाद के मुद्दों को केंद्र में रखकर भाजपा के राजनीतिक संदेश को और मजबूत करने का प्रयास हैं।

आगरा से अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, 2027 के लिए रखा विकास और सामाजिक न्याय का विजन

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा दौरे के दौरान भाजपा सरकार पर कई मोर्चों पर तीखा हमला बोला। व्यापारियों, उद्योगपतियों और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा विवाद, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, रोजगार और नदियों की सफाई जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए।

राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि धार्मिक मामलों की जांच अधिकारियों से कराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों को सार्वजनिक विवाद बनाने के बजाय आपसी संवाद से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि किसी प्रकार की गलती हुई है तो उसे प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर देना चाहिए, क्योंकि आस्था के मामलों में प्रशासनिक हस्तक्षेप उचित नहीं माना जाना चाहिए। भाजपा की राजनीति पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बड़े स्तर पर प्रचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर सरकार जवाब देने से बचती रही है।

अपने चर्चित पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फामूर्ले को नया सामाजिक आयाम देते हुए उन्होंने कहा कि पीडीए का अर्थ केवल राजनीतिक गठजोड़ नहीं बल्कि 'प्रेम, दया और अपनापन' भी है। उनका कहना था कि समाज में भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने के लिए इन मूल्यों को मजबूत करना आवश्यक है। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने सरकार पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में कमी आई है और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी चिकित्सा ढांचे को मजबूत करने के बजाय निजी स्वास्थ्य संस्थानों को बढ़ावा मिला है, जिससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भविष्य की योजना बताते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आगरा में विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान विकसित किया जाएगा। उन्होंने सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी और डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का उदाहरण देते हुए कहा कि आगरा को भी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। आगरा के प्रसिद्ध पेठा उद्योग को लेकर उन्होंने कहा कि उचित ब्रांडिंग, पैकेजिंग और सरकारी सहयोग मिलने पर यह उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह वैश्विक खाद्य ब्रांड दुनिया भर में पहुंचे हैं, उसी प्रकार आगरा का पेठा भी वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकता है। फिरोजाबाद के कांच उद्योग पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर फिरोजाबाद को आधुनिक 'ग्लास सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार ने इस दिशा में भूमि चिह्नित की थी और भविष्य में इस परियोजना को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही आधुनिक तकनीक, कॉमन फैसिलिटी सेंटर और प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से स्थानीय उद्योग को नई पहचान देने का प्रयास किया जाएगा। नदियों की सफाई के मुद्दे पर भी उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा। उनका आरोप था कि सफाई के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए गए लेकिन नदियों की वास्तविक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि नालों के पानी को सीधे नदियों में जाने से रोकने के लिए दीर्घकालिक और वैज्ञानिक मॉडल अपनाने की आवश्यकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगरा दौरे के दौरान अखिलेश यादव ने केवल सरकार की आलोचना ही नहीं की, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए विकास, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग आधारित वैकल्पिक राजनीतिक एजेंडा भी प्रस्तुत करने का प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा की राजनीतिक सक्रियता के बीच उनका यह दौरा आगामी चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

क्रीड़ा भारती हापुड़ के द्वारा योग शिविर जागरूकता कार्यक्रम

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में क्रीड़ा भारती हापुड़ द्वारा योग शिविर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सात दिवसीय योग शिविर आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज स्वर्ग आश्रम रोड हापुड़ में 15 जून से 21 जून तक प्रतिदिन प्रातः 05:30 बजे से 07:00 बजे तक आयोजित होगा। योग शिविर के प्रथम दिवस में क्रीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष विशाल मित्तल ने कहा कि हर साल 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाता है, जो योग के फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करता है। इस वर्ष की थीम ह्लस्वस्थ उम्र के लिए योगह्व है, जिसका मतलब है कि योग के जरिए न सिर्फ लंबी, बल्कि स्वस्थ और फिट जिंदगी जी जा सकती है। योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का एक प्रभावी तरीका है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते तनाव के बीच योग का महत्व काफी बढ़ गया है, क्योंकि यह न सिर्फ स्ट्रेस को कम करता है, बल्कि शरीर को फिट और दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। जिला मंत्री व मेरठ प्रांत क्रीड़ा केंद्र प्रमुख मनप्रीत खैरा ने बताया कि क्रीड़ा भारती की कोशिश है कि आज के दिन जो लोग योग की शुरूआत कर रहे हैं, वह हर रोज योग करें। इसके लिए क्रीड़ा भारती की ओर से योग क्रीड़ा केंद्र लगा कर लगातार जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। योग प्रशिक्षका प्रीति वर्मा, रूबी शर्मा, बृजेश, आकांशा त्यागी, मोहित शर्मा, कुमकुम आदि द्वारा सभी को योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया तथा नियमित योग के लाभ बताए। इस मौके पर जिला महिला मंडल मंत्री सुनीता शर्मा, ज़िला महिला मंडल कोषाध्यक्ष नीलम गुप्ता, ज़िला संरक्षक बृजेश गर्ग, नगर अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, सुभाष सैनी, अतुल अग्रवाल, विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिली डॉ हिमानी अग्रवाल

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में पहुँची उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉक्टर हिमानी अग्रवाल ने आज थाना हापुड़ नगर क्षेत्र के गाँव रेप पीड़िता और उसकी मां से मुलाकात करके मुलाकात की, प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना हापुड़ नगर क्षेत्र की रेप पीड़िता की माता ने डॉ हिमानी अग्रवाल सदस्य राज्य महिला आयोग को एक पत्र लिखकर अपनी बेटी की सुरक्षा की गुहार और और न्याय की मांग की थी, पत्र का संज्ञान लेते हुए महिला आयोग के सदस्य डॉ हिमानी अग्रवाल ने तत्काल ही अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश देते हुए खुद पीड़िता के घर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की, उन्हें हर संभव कार्रवाई का भरोसा दिया, इस दौरान थाना अध्यक्ष महिला थाना अरुणा राय, थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड की जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी के द्वारा बैठक में सीएम डैश बोर्ड की समीक्षा मे जिन विभाग की प्रगति खराब रही उन पर नाराजगी जाहिर की।

उन्होने प्रोजेक्ट वाइज समीक्षा के दौरान जिन विभागो की रैंक सी0 डी0 की श्रेणी में है उनको निर्देश दिए कि सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर फिडिंग का कार्य सही प्रकार से किया जाए जिससे जनपद की रैंक प्रभावित न हो।

आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व जिन विभागों की खराब रैंक प्राप्त हुई है उसमें सुधार किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि शत प्रतिशत डाटा फीड करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपजिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग /विद्युत/ जल निगम / सिंचाई सहित अन्य संबंधी अधिकारी उपस्थित रहे।

गुमशुदा किशोर सकुशल बरामद, पुलिस ने परिजनों को दी राहत

मथुरा/गोवर्धन(वेलकम इंडिया)। मुकदमा अपराध संख्या 286/2026, धारा 137 बीएनएस के अंतर्गत दर्ज गुमशुदगी के मामले में गोवर्धन की अडींग पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। ग्राम पाली ब्राह्मण निवासी किशोर प्रेमवीर, जिसकी गुमशुदगी को लेकर परिजन काफी चिंतित थे, को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोर के लापता होने के बाद परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी, जिसके आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित स्थानों पर खोजबीन और आवश्यक जांच-पड़ताल करते हुए किशोर का पता लगाया और उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। किशोर के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली है। बरामदगी के उपरांत पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं तथा नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रकरण से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

झूठे मुकदमों, धमकियों और पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, पत्रकारों का फूटा आक्रोश

फर्जी मुकदमों, उत्पीड़न और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ डीएम-एसएसपी को सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद में पत्रकारों के कथित उत्पीड़न, बिना पर्याप्त जांच के मुकदमे दर्ज किए जाने, पुलिस-प्रशासन के असहयोगपूर्ण रवैये और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बढ़ते दबाव के विरोध में सोमवार को जिले के पत्रकारों का आक्रोश खुलकर सामने आया।

बड़ी संख्या में पत्रकारों ने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और पत्रकारों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच व न्यायपूर्ण कार्रवाई की मांग उठाई। पत्रकारों ने कहा कि जनहित के मुद्दों को उठाने वाले पत्रकारों को लगातार दबाव, धमकियों और मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में पत्रकार रवि बघेल, शुभम चौधरी, आलोक तिवारी, लोकेश गर्ग, वृंदावन के पत्रकारों को मिली कथित धमकियों तथा अड़ींग निवासी पत्रकार दिलीप यादव की भूमि विवाद संबंधी शिकायतों का भी उल्लेख किया गया। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि कई मामलों में प्रभावशाली लोगों के दबाव में कार्रवाई होती है, जबकि पत्रकारों की शिकायतों को अपेक्षित गंभीरता नहीं मिलती।

प्रतिनिधिमंडल ने थानों और चौकियों में पत्रकारों के साथ होने वाले अभद्र व्यवहार, समाचार संकलन के दौरान सहयोग न मिलने, अधिकारियों द्वारा तथ्यात्मक जानकारी देने से बचने तथा सीयूजी नंबर तक न उठाने जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। पत्रकारों ने कहा कि इससे पारदर्शिता प्रभावित होती है और समाचारों में प्रशासन का पक्ष शामिल करना कठिन हो जाता है।

पत्रकारों ने मांग की कि पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज मामलों की निष्पक्ष जांच हो, पत्रकार सुरक्षा एवं संवाद समिति का गठन किया जाए तथा कवरेज के दौरान मोबाइल छीनने, कैमरा तोड़ने या कार्य में बाधा पहुंचाने जैसी घटनाओं में तत्काल एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने पत्रकारों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मामलों की जांच एडीएम वित्त एवं एसपी सिटी को सौंपने की बात कही।

वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी पत्रकारों से विस्तार से वार्ता कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिले भर से बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे व्यापक रणनीति बनाई जाएगी।

इस दौरान मदन गोपाल शर्मा, धर्मेंद्र चतुर्वेदी, राकेश शर्मा, मफतलाल अग्रवाल, अनिल सारस्वत, सुशील गोस्वामी, प्रवेश चतुर्वेदी, सुरेश सैनी, मातुल शर्मा, मुकेश कुशवाहा, दिलीप यादव, धाराजीत सारस्वत, गिरधर पचौरी, अमित भार्गव, गजेंद्र चौधरी, दलबीर सिंह, मोहित चतुर्वेदी, रवि बघेल, मनीष चौधरी, शुभम चौधरी, निर्मल राजपूत, बी एल पाण्डेय, अरुण, मनोज, लोकेश गर्ग, विवेक चतुर्वेदी, नेत्रपाल, राहुल कुमार, रिंकू वर्मा, प्रतीक चतुर्वेदी आदि सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहें।

श्याम सखा मित्र मंडल द्वारा शहर में निकाली गई 151 निशान यात्रा

मथुरा(वेलकम इंडिया)। तृतीय श्री श्याम वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री श्याम सखा मित्र मंडल द्वारा शनिवार को 151 भव्य निशान यात्रा का महंत भवानी गिरी जी के सानिध्य में निकल गई, श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बाबा श्याम के जयकारों के साथ नगर में भक्ति का माहौल बना दिया। निशान यात्रा राधा नगर मंदिर से प्रारंभ होकर कृष्णा नगर मार्केट, सौंख रोड, बिजलीघर मार्ग से होते हुए भूतेश्वर मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। यात्रा में सबसे आगे भगवान श्री गणेश की सुंदर झांकी निकाली गई, जिसके बाद भगवान भोलेनाथ की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही विंटेज कार, डीजे वाहन एवं भजन-कीर्तन मंडलियों ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। इस शोभायात्रा में श्याम भक्त द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया और और मिठाइयां कोल्ड ड्रिंक आइसक्रीम बाटकर स्वागत किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन एवं व्यवस्थापन मेहनत भवानी गिरी, श्री चंद भगत जी, अजय अग्राल, कृष्ण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, यश अग्रवाल, रुद्राक्ष अग्रवाल, द्वारा किया गया। निशान यात्रा के समापन पर बाबा श्याम की आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में नगर के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

सीएम धामी ने पौड़ी में आधुनिक विज्ञान संग्रहालय का लोकार्पण तथा रामलीला मैदान में आयोजित कंडोलिया महोत्सव का शुभारंभ किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जनपद पौड़ी गढ़वाल भ्रमण के दौरान जिला मुख्यालय में आधुनिक विज्ञान संग्रहालय का लोकार्पण तथा रामलीला मैदान में आयोजित कंडोलिया महोत्सव का शुभारंभ किया।इस अवसर पर उन्होंने जनपद को 110.55 करोड़ की लागत की 19 विकास योजनाओं की सौगात देते हुए 14 योजनाओं का शिलान्यास एवं 5 योजनाओं का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने विज्ञान संग्रहालय में विकसित की गई विज्ञान आधारित गतिविधियों और प्रयोगात्मक शिक्षण व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने संग्रहालय का भ्रमण कर विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित इंटरएक्टिव मॉडलों, वैज्ञानिक प्रदर्शनों, एवं आधुनिक उपकरणों का अवलोकन किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने संग्रहालय में स्थापित वैज्ञानिक प्रदर्शनों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान बच्चे उत्साहित नजर आए।

मुख्यमंत्री ने स्वयं भी कई प्रदर्शनियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने विज्ञान, अंतरिक्ष, ऊर्जा, पर्यावरण एवं तकनीकी नवाचारों से संबंधित प्रदर्शनों का अवलोकन करते हुए कहा कि ऐसे विज्ञान संग्रहालय

बच्चों में जिज्ञासा, अनुसंधान की भावना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने इसके बाद कंडोलिया मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

तत्पश्चात उन्होंने रामलीला मैदान पहुंचकर कंडोलिया महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा कंडोलिया महोत्सव को राजकीय महोत्सव के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंडोलिया महोत्सव उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और युवा प्रतिभाओं को नई पहचान देने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि आज जनपद के विकास में एक नया अध्याय जुड़ा है। आज लगभग 110 करोड़ की लागत की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। ये परियोजनाएं क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करेंगी। मुख्यमंत्री ने पौड़ी और श्रीनगर क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की पहली एनसीसी अकादमी, एनआईटी परिसर, गंगा संस्कृति केंद्र, सिंगटाली पुल, पौड़ी-श्रीनगर मार्ग चौड़ीकरण, झील निर्माण, ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक तथा खेल अवस्थापना से जुड़ी परियोजनाएं क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्रदान करेंगी और रोजगार व पर्यटन की संभावनाओं को भी बढ़ाएंगी।

इस अवसर पर विधायक श्री राजकुमार पोरी, श्री दलीप सिंह रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना बुटोला, नगर पालिकाध्यक्ष श्रीमती हिमानी नेगी, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती अस्मिता नेगी, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अण्थवाल, डीएम श्रीमती स्वाति भदौरिया, एसएसपी श्री सर्वेश पंवार, सीडीओ श्री अशोक जोशी एवं अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

संतकबीरनगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को अवैध पिस्टल, चाकू व बाइक सहित किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 लालबिहारी निषाद, का कृष्णानन्द शाह, हे0का0 सम्पूर्णानन्द यादव, रि०का0 अमित कुमार प्रथम, रि0का0 मोहित कुमार, रि0का0 रोहित कुमार ने 02 नफर अभियुक्तगण अमित कुमार उर्फ अंगद यादव पुत्र बृजभान यादव निवासी मझगावा थाना महुली जनपद संतकबीरनगर, वीरेन्द्र यादव उर्फ टेढे पुत्र परशुराम निवासी सेहड़ा निकट घघसरा थाना सहजनवा जनपद गोरखपुर को 01 अदद अवैध देशी पिस्टल टट, 01 अदद अवैध चाकू व जामा तलाशी के 02 अदद मोबाईल तथा 01 अदद मोटर साईकिल के साथ आज दिनाँक 15.06.2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 524/2026 धारा 3/4/7/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया तथा बरामद बाईक को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया।

28 जून से शुरू होगा सघन पल्स पोलियो अभियान, स्वास्थ्य कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां पूर्ण कर ली है हैं ।सोमवार को कस्बे के सरकारी अस्पताल के सभागार में पल्स पोलियो अभियान से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों एवं टीमों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की रणनीति समझाई गई ।कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने की।

उन्होंने बताया कि आगामी 28 जून से क्षेत्र में सघन पल्स पोलियो अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। अभियान के तहत नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 128 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां 104 स्वास्थ्य टीमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी।

उन्होंने बताया कि बूथ दिवस के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छोटे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी।इसके लिए संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर अभियान की बारीकियों से अवगत कराया गया है, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और लक्ष्य को समय से पूरा किया जा सके। चिकित्सा प्रभारी ने नगर एवं क्षेत्र के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वह स्वास्थ्य विभाग की टीमों का पूरा सहयोग करें तथा अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही पोलियो मुक्त समाज का सपना साकार किया जा सकता है। इस दौरान ब्लॉक प्रबंधक तोहिद मिर्जा, चिप फार्मासिस्ट सुधाकर दीपक कुमार, सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कर्मी एवं अभियान से जुड़े अन्य सदस्य मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत गडौला के प्राथमिक विद्यालय मे किसान गोष्ठी का किया आयोजन

राजीव चौधरी

सहारनपुर/गागलहेडी(वेलकम इंडिया)। गागलहेड़ी कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा खेत बचाओ अभियान, जन कल्याण एवं जन जागरुकता अभियान व सघन खेत बचाओ अभियान के तहत पंचायत गडौला के प्राथमिक विद्यालय में किसान गोष्ठी का आयोजन किया। ग्राम पंचायत गडौला के प्राथमिक विद्यालय मे आयोजित किसान गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक मनोज सिंह ने किसानों को यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल को रोकने व हरी खाद और गोबर के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया भारत भूषण ने किसानों को खेतों की मिट्टी की जांच कराने के बाद संतुलित मात्रा में खाद के उपयोग की सलाह दी। कृषि विभाग द्वारा अभियान के माध्यम से किसानों को नकली उर्वरकों से बचने की सलाह दी। गोष्ठी में कृषि विभाग अनिल सैनी, राजबीर, एडीओ एग्रीकल्चर अंकित कुमार, अंकित सैनी, कृषि वैज्ञानिक डश्व मनोज सिंह, लेब टेक्नीशियन भारत भूषण, पशु पालन विभाग डश्व अरविन्द कुमार ने किसानों को उपयोगी जानकारी दी। ग्राम प्रधान राकेश कुमार, पूर्व प्रधान बिजनेश चौधरी, व भारी संख्या में सभी ग्रामीण मौजूद रहे।

इमामाबाद को मिली बड़ी सौगात, श्मशान घाट मार्ग हुआ पक्का

वेलकम इंडिया ब्यूरो

खानपुर। ग्राम इमामाबाद के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। गांव से श्मशान घाट तक जाने वाले मार्ग पर खड़ंजा निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से खराब पड़े इस मार्ग के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब मार्ग के पक्का हो जाने से स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग गांव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसी रास्ते से होकर लोग श्मशान घाट तक पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो जाती थी और कई बार लोगों को कठिन परिस्थितियों में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी। ऐसे में इस मार्ग का निर्माण गांव की प्रमुख आवश्यकताओं में शामिल था। क्षेत्र पंचायत सदस्य अमित कुमार द्वारा ग्रामीणों की मांग को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद ब्लॉक प्रमुख श्रीमती संगीता सिंह एवं उनके प्रतिनिधि मनोज प्रधान ने इस कार्य को स्वीकृति दिलाकर निर्माण कार्य शुरू कराया। अब कार्य पूरा होने के बाद बीडीसी अमित कुमार ने दोनों जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। डा राजकुमार, टुक्की सिंह, बालकिशन, यादराम, रवि कुमार आदि ग्रामीणों ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख संगीता सिंह ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है और इमामाबाद में श्मशान घाट मार्ग का निर्माण इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। वहीं मनोज प्रधान ने भी लगातार निगरानी रखते हुए कार्य को समय पर पूरा कराने में अहम भूमिका निभाई। वहीं छतरपाल भगतजी का कहना है कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों में संतोष है। अब श्मशान घाट तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और लोगों को हर मौसम में बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। ग्राम प्रधान रॉयल कुमार ने ब्लॉक प्रमुख श्रीमती संगीता सिंह और प्रतिनिधि मनोज प्रधान का धन्यवाद करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े ऐसे कार्य ही जनप्रतिनिधियों की पहचान होते हैं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी क्षेत्र में इसी प्रकार विकास कार्यों की गति बनी रहेगी और गांव की अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने 1.2 किलोग्राम अवैध गाँजा के साथ अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 विनय कुमार पाण्डेय, हे0का0 धर्मेन्द्र पाण्डेय, का अनिल कुमार यादव, का0 अनुराग यादव ने चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन व भ्रमण क्षेत्र के दौरान अभियुक्त अरुण यादव पुत्र स्व0 अशोक यादव निवासी बरईटोला वार्ड नं0 3 थाना कोतवाली खलीलाबाद को नैनीडिहा से 1.2 किलोग्राम अवैध गाँजा के साथ दिनाँक 14.06.2026 को गिरफ्तार कर माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों-निर्देशों का अक्षरः पालन करते हुए माननीय न्यायालय रवाना किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त अरुण यादव उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-

मु0अ0सं0 438/2021 धारा 4/25 आयुध अधिनियम थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर।

मु0अ0सं0 349/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर।

मु0अ0सं0 37/2026 धारा 304(2), 317(2) बीएननएस थाना बेलहरकला जनपद संतकबीरनगर।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

असदुल्लाह सिद्दीकी

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण अभियान के अंतर्गत थाना चिल्हिया की मिशन शक्ति टीम द्वारा सोमवार को कस्बा चिल्हिया में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। मिशन शक्ति एवं साइबर जागरूकता अभियान के तहत आयोजित चौपाल में उन महिलाओं और बालिकाओं तक पहुंचने का प्रयास किया गया, जो किसी कारणवश थाने तक नहीं पहुंच पाती हैं। टीम ने महिलाओं को उनके साथ होने वाले

संभावित अपराधों, साइबर ठगी से बचाव के उपायों तथा कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी विभिन्न स्थानों पर चस्पा किए गए। पुलिसकर्मियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों में मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल स्थापित किए गए हैं, जहां महिलाएं अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती हैं। चौपाल में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई, लेकिन किसी ने कोई शिकायत नहीं बताई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई।

इनमें 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 101 अग्निशमन सेवा, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। साथ ही नए कानूनों और महिला सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की भी जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता अभियान में कांस्टेबल सुनील कुमार, महिला कांस्टेबल कंचन यादव , आरक्षी नीलू आदि मौजूद रही।

मुख्यमंत्री ने अपनी माता जी के साथ खेतों में श्रमदान कर अन्नदाताओं को दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जनपद ऊधमसिंह नगर के खटीमा अंतर्गत नगला तराई में अपनी माता जी के साथ अपने खेतों में कृषि कार्यों में सहभागिता की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने खेत की जुताई और खाद डालते हुए किसानों के अथक परिश्रम, समर्पण और त्याग को बेहद निकटता से अनुभव किया।

कृषि कार्यों के दौरान मुख्यमंत्री भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि खेतों में काम करते हुए उनके जीवन के वे सरल, संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी दिन एक बार फिर स्मृतियों में पूरी तरह जीवंत हो उठे।

उन्होंने किसानों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे अन्नदाता किसान केवल देश की खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार

स्तंभ ही नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय संस्कृति, समृद्ध परंपराओं और ग्रामीण जीवन मूल्यों के सच्चे संवाहक भी हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में किसानों के अमूल्य योगदान, उनकी तपस्या और अटूट समर्पण की सराहना करते हुए समस्त अन्नदाताओं को कोटिशः नमन किया।

नलों से आया काला दूषित पानी, लोगों में रोष; सभासद ने वायरल किया वीडियो

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला खेल के वार्ड नंबर-17 में पिछले दो दिनों से पेयजल आपूर्ति के दौरान नालों से काला और दूषित पानी आने की शिकायत सामने आई है ।मोहल्ले के लोगों में नाराजगी है और उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। सोमवार को वार्ड 17 के लोगों ने बताया कि नगर पालिका की पाइपलाइन से आने वाला पानी काला और बदबूदार है, जिसके कारण लोगों को पीने और घरेलू कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूषित पानी से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका जताई है।

नगर पालिका के वार्ड नंबर-17 के सभासद अफजाल अली ने अपने क्षेत्र में आ रहे दूषित पानी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में नलों से गंदा पानी निकलता दिखाई दे रहा है। सभासद ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।सभासद ने नगर पालिका अध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारियों से तत्काल दूषित जलापूर्ति बंद कर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वार्ड के लोग विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। सभासद ने कहा कि बीते कई वर्षों पूर्व नगर पालिका के द्वारा पाइपलाइन बिछाई गई थी जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है जिस कारण दूषित पानी आ रहा है शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम का कहना है की शिकायत प्राप्त हुई थी टीम बेजकर जांच कराई गई तो पानी साफ सुथरा मिला है ।दोबारा टीम के साथ मौके पर पहुंच कर खुद जांच करेंगे और जल्दी समस्या का समाधान कराया जाएगा।

यूपीआई साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को मिले 23,500 रुपये खेसरहा पुलिस ने कराई धनराशि वापस

असदुल्लाह सिद्दीकी

खेसरहा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खेसरहा की साइबर सेल टीम ने यूपीआई के माध्यम से हुई साइबर ठगी की धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए साइबर सेल टीम ने आवेदक अनिल कुमार पुत्र स्वर्गीय रामराज निवासी ग्राम इमिलिया, थाना खेसरहा की शिकायत का सफल निस्तारण किया। अनिल कुमार ने 1 जून 2026 को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ यूपीआई के माध्यम से 23,500 रुपये की साइबर ठगी हो गई है। शिकायत संख्या 33105260122470 के आधार पर थाना खेसरहा साइबर सेल ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने संबंधित बैंक के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की, जिसके परिणाम स्वरूप ठगी गई पूरी धनराशि 23,500 रुपये 13 जून 2026 को पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी गई।

कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट ने सुनीं बुजुर्गों, महिलाओं व अनाथ बच्चों की समस्याएं

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद के सभी थानों पर गठित कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट (सीपीयू) ने सोमवार को अपने-अपने थाना क्षेत्रों के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में पहुंचकर बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों एवं अनाथ बच्चों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उनकी समस्याएं सुनकर आवश्यक सहायता, मार्गदर्शन एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अपर पुलिस महानिदेशक के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत सीपीयू टीमों ने अनाथ आश्रम, वृद्ध आश्रम तथा महिलाओं और बच्चों से संबंधित विभिन्न संस्थाओं का भ्रमण किया। पुलिस कर्मियों ने वहां रह रहे लोगों का कुशलक्षेम जाना तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए। अभियान के दौरान लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों एवं बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षा एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने महिला सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं, मिशन शक्ति अभियान तथा बहू-बेटी सम्मेलन कार्यक्रमों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया। इसके अलावा सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत स्वच्छ छवि वाले स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करने की बात भी कही गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत बनाना है। अभियान के दौरान लोगों ने पुलिस की इस जनहितकारी पहल की सराहना की।

उपज की बैठक में पत्रकार सुरक्षा और संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

मारपीट की घटना से आक्रोशित पत्रकार, खनन माफियाओं के खिलाफ संघर्ष का बिगुल

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की मासिक बैठक रविवार को श्री वेंकटेश्वर वर्ल्ड स्कूल, साकेत मेरठ में वरिष्ठ पत्रकार जयवीर त्यागी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक का मुख्य एजेंडा हस्तिनापुर क्षेत्र में पत्रकार कुलदीप भारद्वाज के साथ हुई घटना तथा खनन माफियाओं द्वारा पत्रकारों पर बनाए जा रहे दबाव एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई न किए जाने के विषय पर केंद्रित रहा।

इस मुद्दे पर उपस्थित पत्रकारों ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संगठनात्मक स्तर पर प्रभावी रणनीति बनाने पर सहमति जताई। बैठक में उपज पत्रकार संगठन के सदस्यता अभियान को और अधिक गति देने, संगठन की गतिविधियों में पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जिलेभर में पत्रकारों को एकजुट कर संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

सरधना क्षेत्र में पत्रकारों को संगठित कर संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार कर्दम ने आगामी दिनों में किठौर क्षेत्र में पत्रकार साथियों के लिए 'मैंगो पार्टी' कार्यक्रम आयोजित किए जाने की घोषणा की।

वहीं मवाना थाना क्षेत्र से आए पत्रकार संचित अरोड़ा ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को बैठक के समक्ष रखा। इस अवसर पर उपज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मेरठ जिलाध्यक्ष अजय चौधरी ने सभी सदस्यों के सुझावों और विचारों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उन्हें संगठनात्मक रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती पत्रकारों की एकता एवं सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। संगठन के महामंत्री ललित ठाकुर ने सभी पत्रकार साथियों से एकजुट रहकर पत्रकार हितों के लिए कार्य करने का आह्वान किया। वहीं कोषाध्यक्ष विश्वास राणा ने पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर बल दिया।

बैठक में रविश, आरिफ कुरैशी, गौरव यादव, सचिन कश्यप, गौरव सैनी, आशीष चौधरी, राजेश राजपूत, मनोज कुमार, नसरुल्लाह खान, इरशाद, शाहिद अली, मेहंदी, नरेश कुमार, अमित तोमर, एमपी गौतम, राहुल राणा, योगेंद्र कुमार, रवि गौतम, अमित शर्मा, इसरार अंसारी, जयवीर त्यागी, संचित अरोड़ा, विपुल सिंघल, ताज मोहम्मद, विकास गुप्ता, शाहरुख चौधरी, उज्ज्वल रस्तोगी, दीपांशु, निशांत शर्मा, राजेंद्र सैनी, ललित ठाकुर, सलीम सैफी, मोहम्मद आसिफ, जितेंद्र कुमार, अरुण सागर, राज, राजदीप त्यागी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने की मांगए मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनता देश संगठन ने सोमवार को समूह सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। आज संगठन अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में समूह सखी महिला आज जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग करते हुए कहा कि।

संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ;एनआरएलएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि समूह सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैंए लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा हैए जो वर्तमान परिस्थितियों में बेहद कम है। संगठन का आरोप है कि महिलाओं से विभिन्न विभागीय कार्य लिए जाते हैंए इसके बावजूद उनके मानदेय में वृद्धि नहीं की गई है। जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन पिछले 22 महीनों से समूह सखी महिलाओं के मानदेय वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इससे पूर्व 28 दिसंबर 2025 को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया थाए जिसमें शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया था। हालांकि अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ;फौजीद्धए राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदेए मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनीए प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मनए महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यपए जिला अध्यक्ष सौरभ सिंहए प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंहए जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मानस विकास मेकओवर द्वारा 3 दिवसीय लुक एंड लर्न मेकअप क्लास का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। मानस विकास मेकओवर द्वारा 3 दिवसीय लुक एंड लर्न मेकअप क्लास का सफल आयोजन किया गया। इस क्लास में छात्रों को 3 दिन अलग-अलग तरह के मेकअप की बारीकियां सिखाई गईं। प्रशिक्षण के दौरान टियर प्रूफ, स्वेट प्रूफ और ड्रैग प्रूफ मेकअप की विशेष ट्रेनिंग दी गई।

इस मेकअप क्लास में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया और प्रोफेशनल तकनीकों को सीखा। मानस विकास मेकओवर की मुख्य ब्रांच ओल्ड कटरा में स्थित है, जहाँ पर्सनल क्लासेज भी चलाई जाती हैं। इस आयोजन में सहयोगी के रूप में नित्याशाला, चंचल, दीपिका, साक्षी और अमृता का विशेष योगदान रहा।

एसएसपी ने दस्तावेज सत्यापन (डीवी) एवं शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) केन्द्र का किया सघन निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर पुलिस उपनिरीक्षक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण केन्द्र का सघन निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया, शारीरिक मानक परीक्षण व्यवस्था, सुरक्षा प्रबन्ध, प्रतीक्षालय, पेयजल, चिकित्सा सहायता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। अभ्यर्थियों से वार्ता कर सभी को आश्वस्त किया गया कि सम्पूर्ण भर्ती प्रक्रिया शासन एवं भर्ती बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ सम्पन्न करायी जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा बाहरी हस्तक्षेप की कोई सम्भावना नहीं है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये कि भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं गोपनीयता बनाए रखी जाये तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता अथवा अनियमितता पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। दस्तावेज सत्यापन (DV) एवं शारीरिक मानक परीक्षण (PST) केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, अभिलेखों के सुरक्षित रख-रखाव तथा अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

डीआईजी अभिषेक सिंह ने किया पुलिस भर्ती के दस्तावेज सत्यापन व शारीरिक परीक्षण का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक एवं समकक्ष पदों के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया के तहत आज 15 जून 2026 को सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन तथा शारीरिक मानक परीक्षण की पूरी व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। डीआईजी ने उपस्थित अधिकारियों को पूरी भर्ती प्रक्रिया को अत्यंत पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के कड़े निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि परीक्षण के लिए आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को कोई असुविधा न हो। मौके पर मुस्तैद ड्यूटीरत सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की हिदायत दी गई ताकि पूरी प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

विश्व योग दिवस सप्ताह का भव्य शुभारम्भ, सांसद जगदम्बिका पाल ने किया उद्घाटन

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विश्व योग दिवस सप्ताह का शुभारम्भ सिद्धार्थनगर स्थित जिला उद्यान पार्क में सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जगदम्बिका पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद पाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा उपस्थित लोगों को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों के बारें में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक शान्ति, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। सांसद पाल ने सभी नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि नियमित योग अभ्यास से स्वस्थ, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज विश्व के अनेक देशों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जनमानस को योग के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। 'करें योग, रहें निरोग' के सन्देश के साथ विश्व योग दिवस सप्ताह का शुभारम्भ उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ।

जहांगीराबाद के राजेश कुमार को राष्ट्रीय सम्मान, अभिनेत्री अमीषा पटेल ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। क्षेत्र के प्रतिष्ठित एवं आधुनिक हिमालय फोटो स्टूडियो के संचालक राजेश कुमार ने जहांगीराबाद का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित नेशनल प्रेस्टिज अवाड्र्स 2026 समारोह में उन्हें फोटोग्राफी एवं स्टूडियो सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने राजेश कुमार को सम्मान स्वरूप ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों, व्यवसायियों और पेशेवरों को भी सम्मानित किया गया। हिमालय फोटो स्टूडियो अपनी आधुनिक तकनीक, उत्कृष्ट फोटोग्राफी और ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। राजेश कुमार को मिले इस सम्मान से जहांगीराबाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके शुभचिंतकों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया।

भोजपुरी गायक व अभिनेता मनोज लाल यादव का नया गाना 'चुवे गोदाम मोर पसीना से' एसएफसी म्यूजिक से रिलीज

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। भोजपुरी संगीत जगत में अपनी अनूठी गायकी और दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले मशहूर सिंगर और एक्टर मनोज लाल यादव का नया धमाकेदार लोकगीत 'चुवे गोदाम मोर पसीना से' रिलीज हो गया है। इस गाने को 'एसएफसी म्यूजिक' के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस लोकगीत को मनोज लाल यादव ने अपनी बेहद मधुर आवाज में गाया है।गाने के वीडियो में गायक मनोज लाल यादव के साथ भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस अनायरा सिंह नजर आ रही हैं। अनायरा सिंह ने वीडियो में अपनी दिलकश अदाओं और बेहतरीन डांस मूव्स से जबरदस्त जलवा बिखेरा है। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है और यह वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। प्रोड्यूसर सुल्तान अंसारी (एडवोकेट) हैं, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट को बेहतरीन तरीके से पेश किया है। गीतकार एस. के आनंद यादव, संगीतकार राहुल यादव,

वीडियो डायरेक्टर जेम्स पार्कर, डीओपी गौरव, अनिल, कोरियोग्राफर रोबोट, गोलू, एडिटर दिनेश दिलावर हैं। डीआई रोहित सिंह ने किया है। इस नये लोकगीत के रिलीज को लेकर सिंगर-एक्टर मनोज लाल यादव में कहा कि 'यह लोकगीत पूरी तरह से मनोरंजन से भरपूर है और इसमें भोजपुरी माटी की मिठास के साथ-साथ आज के युवाओं की पसंद का भी पूरा ख्याल रखा गया है।

17 वर्षों से कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों ने नियमितीकरण की उठाई मांगए 1 जुलाई से आंदोलन की चेतावनी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ ने प्रदेश के लगभग 36 हजार ग्राम रोजगार सेवकों को नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा देने सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। जिला मुख्यालय पर आयोजित धरने को संबोधित करते हुए संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्राम रोजगार सेवक वर्ष 2006 से मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कार्यरत हैं और पिछले 17 वर्षों से ग्रामीण विकास एवं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संघ के जिला अध्यक्ष घनश्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश में ग्राम रोजगार सेवकों को मात्र 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा हैए जबकि कई राज्यों में उन्हें समूह ष्गष् कर्मचारियों के समान वेतन एवं सुविधाएं प्राप्त हैं। उन्होंने मांग की कि रोजगार सेवकों के लिए न्यूनतम 24 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया जाए तथा उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम रोजगार सेवकों का कई.कई महीनों का मानदेय बकाया हैए जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। साथ ही ईपीएफए स्वास्थ्य बीमाए आकस्मिक अवकाशए चिकित्सा अवकाश एवं अन्य कर्मचारी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। संघ ने मांग की कि ग्राम पंचायतों में सहायक सचिव अथवा ग्राम विकास सहायक का पद सृजित कर रोजगार सेवकों का समायोजन किया जाए। संघ ने मुख्यमंत्री द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को की गई घोषणा के अनुरूप मानव संसाधन नीति लागू करनेए स्थानांतरण नीति बनानेए मृतक आश्रित को सेवा देनेए मोबाइल फोन एवं डाटा सुविधा उपलब्ध कराने तथा ग्राम रोजगार सेवकों के कार्यों को विभागीय कार्य घोषित करने की भी मांग उठाई है। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो 1 जुलाई 2026 से लखनऊ में विधानसभा घेराव सहित विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगाए जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन.प्रशासन की होगी।

आज विपक्ष की राजनीति के सबसे लोकप्रिय नेता हैं अखिलेश यादवः मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। जौनपुर स्थित पीडीए भवन, कटघरा में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज देश की विपक्षी राजनीति में यदि कोई नेता जनता की उम्मीदों, संघर्षों और वैकल्पिक राजनीति का सबसे बड़ा एवं लोकप्रिय चेहरा बनकर उभरा है, तो वह अखिलेश यादव हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अखिलेश यादव ने विकास, आधुनिकता, सामाजिक न्याय तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को नई दिशा प्रदान की।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, मेट्रो परियोजनाएं, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं, लैपटॉप वितरण योजना, डायल-100 सेवा, किसान हितैषी योजनाएं तथा युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने वाले अनेक ऐतिहासिक कार्य आज भी जनता के बीच उनकी पहचान बने हुए हैं। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश की जनता आज बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक विभाजन और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव से चिंतित है। ऐसे समय में अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ-साथ सर्वजन समाज की आवाज बनकर राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि हाल के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के मजबूत प्रदर्शन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता अब संविधान, सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसरोकारों की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। अखिलेश यादव ने संघर्षशील विपक्ष को नई ऊर्जा, नई दिशा और नया आत्मविश्वास प्रदान किया है। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी अखिलेश यादव की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। उनकी राजनीति किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों तथा वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा और संविधान की मजबूती के लिए समर्पित राजनीति है। अंत में उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा और पीडीए आंदोलन देश में लोकतंत्र, सामाजिक समरसता और समान अवसरों को मजबूत करने का कार्य करेगा तथा अखिलेश यादव के नेतृत्व में जनता को एक संवेदनशील, विकासवादी और जनहितैषी विकल्प प्राप्त होगा।

ग्राम औरंगाबाद गदाना में साक्षरता शिविर का आयोजन

भरण पौषण एंव कल्याण अधिनियम 2007 के अंतर्गत भरण पोषण देना अनिवार्य है: संजय मुदगल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उतर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निंदेश पर माननीय जिला जज विनोद कुमार रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण पर नेहा बनौधिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर ग्राम औरंगाबाद गदाना मे वरिष्ठजन अधिकार सशक्तिकरण की गरिमा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता नायब तहसीलदार मुकेश शर्मा ने तथा शिविर का सचांलन पैरा लीगल वालंटियर राहुल कुमार द्वारा किया गया। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया कि माता पिता और वरिष्ठ नागरिको का भरण पोषण एंव कल्याण अधिनियम 2007 में भारत के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कानून है।

विधेयक के अनुच्छेद 5(1) के तहत एक वरिष्ठ नागरिक या अभिभावक विधेयक के अनुच्छेद 4 के तहत भरण पोषण के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई वरिष्ठ व्यक्ति अपनी आय या संपत्ति से अपना खर्च उठाने मे असमर्थ है, तो वे अपने बच्चो या कानूनी वारिसो से अपने भरण पोषण की मांग कर सकते है। न्याय के लिए समय सीमा भरण पोषण के लिए दायर किसी भी आवेदन का निस्तारण 90 दिनो के अन्दर किया जायेगा।

उत्पीड़न पर सजा यदि बच्चे या रिश्तेदार किसी वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल नही करता है तो कानून में यह भी प्रावधान है, कि उन्हे 3 से 6 माह तक की जेल हो सकती है, तथा 10,000/- रुपए जुमार्ना व सजा का दोनो का प्रावधान है।

यह प्रार्थना पत्र अपनी तहसील के उपजिलाधिकारी को भी दिया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से मुफ्त कानूनी सहायता व निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है।

भारत सरकार द्वारा आयु में वरिष्ठ नागरिक 60 वर्ष की आयु में माना जाता है। वरिष्ठ नागरिको के लिए वृद्धा पेंशन सरकार द्वारा दी जाती है। पैनल अधिवक्ता संगीता द्वारा बताया गया कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना है, ताकि कोई भी वरिष्ठ नागरिक न्याय से वंचित न रहे ओर बताया कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक जैसे सास ससुर भी अपनी संतान व पुत्रवधु से घरेलू हिंसा का वाद पंजीकृत न्यायालय मे करा सकते है।

लेखपाल रितू सिंह, लेखपाल सुबोध कुमार, ग्राम प्रधान रेखा नेहरा, प्रधान पति विशाल नेहरा, नीतू, मीनू, संध्या, भावना, सुधा, अधिवक्ता सपना, पैरा लीगल वोलिन्टर नीलम वर्मा, जयाश्री कश्यप, जया कश्यप, राहुल कुमार, कीर्ति सिह, उमंग किशोर, सूजल आदि उपस्थित रहे।

आईपीईसी में डिजाइन थिंकिंग पर एक सप्ताह का शिक्षक विकास कार्यक्रम शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में 'डिजाइन थिंकिंग' विषय पर एक सप्ताह के शिक्षक विकास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान नवाचार परिषद (आई आई सी-आई पी ई सी), एआईसीटीई आइडिया लैब-आईपीईसी और आईपीईसी प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर फाउंडेशन द्वारा सेंटर फॉर कनेक्टिंग लर्निंग एंड इनोवेशन, नोएडा के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को डिजाइन थिंकिंग, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों और आधुनिक समस्या समाधान तकनीकों से परिचित कराना है। उद्घाटन अवसर पर प्रो. (डॉ.) अमित जैन, शैक्षणिक अधिष्ठाता ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के कौशल विकास के साथ शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रो. (डॉ.) सुनीता यादव, अधिष्ठाता, कंप्यूटर विज्ञान एवं संबद्ध शाखाएं ने कहा कि डिजाइन थिंकिंग नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ.) नीलम सक्सेना एवं प्रो. (डॉ.) अरविंद देशमुख उपस्थित रहे। इस शिक्षक विकास कार्यक्रम में 20 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. (डॉ.) अंजनी कुमार सिंह एवं सह-समन्वयक डॉ. अरविंद तिवारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को 'डिजाइन थिंकिंग' विषय को प्रभावी एवं व्यावहारिक तरीके से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

टी.आर.एम. पब्लिक स्कूल के प्रधान एवं प्रबंधक द्वारा भंडारे का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। टी.आर.एम. पब्लिक स्कूल, मोदीनगर के प्रधान एवं प्रबंधक द्वारा लगभग 2000 खस्ते एवं आलू की सब्जी के भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस भंडारे में अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आनंद प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्था के प्रधान विनोद माहेश्वरी, गौरव माहेश्वरी , नरेंद्र माहेश्वरी, कुमुद माहेश्वरी, राधिका माहेश्वरी, प्रीति माहेश्वरी, मंजु माहेश्वरी, अनय माहेश्वरी, वेदान्त माहेश्वरी, अजय माहेश्वरी, संजीव महेश्वरी एवं अंकुर माहेश्वरी, आशीष माहेश्वरी ,मनोज माहेश्वरी , अनुपम माहेश्वरी,पुष्पा माहेश्वरी रजनी ओहरी एवं संस्था के लोगों आदि द्वारा प्रसाद वितरण में सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया। इस प्रकार के सामाजिक एवं सेवा भाव से प्रेरित आयोजन सेठ विनोद महेश्वरी द्वारा समय-समय पर जनसेवा हेतु आयोजित किए जाते रहते हैं, जो अत्यंत सराहनीय है।

बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र त्यागी का किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र त्यागी का गृह क्षेत्र निवाड़ी पहुंचने पर कपिल त्यागी प्रबन्धक और प्रवीण त्यागी चेयरमैन कॉपरेटिव की पूरी टीम और समस्त कस्बावासियों द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रविंद्र त्यागी को राष्ट्रीय स्तर पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने से पूरे नगर पंचायत निवाड़ी ओर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। कार्यक्रम की शुरूआत में कस्बे के बुजुर्गों रामनिवास त्यागी, मंगू सिंह, कृष्णपाल त्यागी, अनिल त्यागी, राजकुमार वर्मा, राम किशन त्यागी, विनोद त्यागी , तिलकराम पहलवान, हरिओम त्यागी, देवराज त्यागी, प्रबुद्ध नागरिकों और समाजसेवियों का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर विशेष सम्मान किया गया। मंच संचालन महेश चन्द पूर्व प्रधानाचार्य व एडवोकेट जितेन्द्र त्यागी ने किया ओर कार्यक्रम की अध्यक्षता लल्लू सिंह पहलवान ने की। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि रविंद्र त्यागी जी ने अपनी कड़ी मेहनत और निष्ठा की बदौलत राष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम हासिल किया है, जिससे पूरे निवाड़ी और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। अपने संबोधन में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र त्यागी जी ने सभी बड़ों का आशीर्वाद लिया और कस्बे वासियों ओर क्षेत्रवासियों के इस अपार स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि निवाड़ी के प्रत्येक नागरिक का सम्मान है। संगठन ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, मैं उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करूँगा और निर्माण व विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करूँगा।' कार्यक्रम में नरेंद्र त्यागी, शिव कुमार फौजी, रविंद्र त्यागी, मुकेश त्यागी,श्री राकेश त्यागी, वीरेंद्र त्यागी,,श्री मदन लाल फौजी, प्रमोद त्यागी, ओम त्यागी, बबलू त्यागी, अरुण त्यागी, संबोध त्यागी, योगिंद्र त्यागी, राम कुमार, मनोज त्यागी,आदि भारी संख्या में नगरवासी और क्षेत्र से विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। रविंद्र त्यागी को फूलों के हार और बुके देकर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

अवैध अतिक्रमण करके आवागमन बाधित करने के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर पूर्व सभासद भूपेंद्र पुरी निवासी विनोद गौतम ने नगर पालिका परिषद को लिखे एक पत्र में सार्वजनिक रास्ते पर गेट लगाकर अवैध अतिक्रमण करके आवागमन बाधित करने के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

विनोद गौतम द्वारा पालिका को लिखे पत्र में कहा गया है कि प्रार्थी गली नं0 5 टंकी रोड भूपेन्द्रपुरी मोदीनगर का रहने वाला है तथा प्रतिदिन अपनी कार से गाजियाबाद जाता है। परन्तु अन्य व्यक्तियों द्वारा भगवान गज मंडी का रास्ता गेट लगाकर निजि प्रयोग के लिए रात्रि 8:30 बजे करीब बंद कर दिया जाता है। जिससे रात्रि आवागमन में परेशानी होती है जिस कारण बस स्टैंड मोदीनगर स्थित पैट्रोल पम्प के सामने से आम जनता रोंग साइड जाने को विवश होती है। और इससे काफी बार दुर्घटना भी पूर्व में हो चुकी है।

जिसके सम्बन्ध में नगर पालिका व तहसील दिवस में भी शिकायत की गयी है परन्तु आज तक भी उपरोक्त अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। पत्र में अनुरोध किया गया है कि व्यापक जनहित में उपरोक्त रास्ता अतिक्रमण मुक्त कराने की कृपा करें आपकी अति कृपा होंगी।

ई-पंजीकरण के विरोध में बैनामा लेखकों का धरना जारी, बार एसोसिएशन ने भी दिया समर्थन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में सोमवार को पांचवें दिन भी बैनामा लेखकों का रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर धरना जारी रहा। धरने के चलते पिछले पांच दिन में एक भी बैनामा नहीं हो सका है। बार एसोसिएशन मोदीनगर,टीम शक्ति अन्याय निवारण ट्रस्ट सहित कई सामाजिक संस्थाओं ने भी बैनामा लेखक को के द्वारा दिए जा रहे धरने को अपना समर्थन दिया है। दस्तावेज लेखक संघ उत्तर प्रदेश के बैनर तले बैनामा लेखकों ने गुरुवार सुबह से ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में मोदीनगर तहसील में स्थित रजिस्ट्री कार्यालय पर धरना शुरू किया हुआ है, तभी से ही रजिस्ट्री कार्यालय का ताला लगा हुआ है। रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर बैनामा लेखक धरना दे रहे हैं। सोमवार को भी बैनामा लेखक धरना स्थल पर पहुंच गए। उनका कहना है कि धरने को चलते हुए पांचवां दिन हो गया है, लेकिन सरकार ने सुध नहीं ली है ई-पंजीकरण प्रक्रिया के तमाम नुकसान हैं। इससे बैनामा लेखकों के साथ आम व्यक्ति को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। जिसमें ई-पंजीकरण प्रणाली को रद्द करने की मांग की। एसडीएम ने उनकी मांग शासन स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। दूसरी और बार एसोसिएशन मोदीनगर के अध्यक्ष जगबीर सिंह एडवोकेट सचिन नकुल त्यागी ने एक बैठक कर बैनामा लेखकों के द्वारा दिए जा रहे धरने को अपना समर्थन दिया है।

जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार समाधान किया जाए तथा शिकायतकताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और जनता को न्याय दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच संवाद को मजबूत बनाने का प्रयास लगातार जारी है।

ज्योतिष शास्त्र सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ।22 वां ज्योतिष शास्त्र और वास्तु दोष 2026 में वाराणसी की ओजस्वी काशी विश्वनाथ मां भवानी स्वरूप संत गुरू मां चेतना शिष्य रीतू सिंह पत्नी कदंब सिंह रोहतक के नारीश्वर शक्ति के उत्पीड़न व शोषण घटनाक्रम वृद्धि हरसंभव प्रयास सहयोग करने का निर्णय लिया। डा. वी.पी.मिश्र ने एनसीआर ब्राह्मण समाज महामन्त्री एवं नरेश पाल कौशिक अध्यक्ष एनसीआर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजीकृत 1939 पंडित मदन मोहन मालवीय) दिल्ली का सर्वसम्मत होने पर ब्राह्मण समाज वर्ग उठान की मुहिम के लिए पंडित कुंज बिहारी.वशिष्ठ ज्योतिषाचार्य सूर्यदेव उपासक को समाज कल्याण धर्म कर्म क्षेत्र अग्रणी कार्य छवि रहने एवं लोकप्रियता को देखते हुए एनसीआर भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा का मीडिया कार्यक्रम प्रभारी मनोनयन एवं शिवकुमार शर्मा ज्योतिषाचार्य को उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र सम्मान समारोह में उपस्थित 980 ज्योतिष शास्त्र विद्वान के साथ नवाजा गया ' संत गुरू मां चेतना , दिनेश गोयल एम एल सी , डॉ हर सिंह रावत जी वर्ल्ड फेमस दोनों को शुभकामनाएं बधाई संदेश दिये। संत गुरू मां चेतना, डा.वी.पी. शर्मा, दिनेश गोयल एमएलसी शिवकुमार शर्मा, डा.आनंद शर्मा अंतरराष्ट्रीय वास्तु विशेषज्ञ मुम्बई नरेशपाल कौशिक अध्यक्ष एनसीआर ब्राह्मण समाज ने मनोनयन पर बधाई दी।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ में शपथ ग्रहण और स्वैच्छिक रक्तदान अभियान का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 8वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) द्वारा मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सोमवार को स्वैच्छिक रक्तदान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में शपथ ग्रहण समारोह के साथ व्यापक रक्तदान अभियान चलाया गया, जिसमें अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और बचावकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा के लिए रक्त उपलब्ध कराने के महत्व को रेखांकित करना था। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

वाहिनी मुख्यालय में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रवर श्रेणी) डॉ. मलिक नसीर अहमद ने उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और बचावकर्मियों को स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नियमित रक्तदान करें तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिससे किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है और इससे बड़ा मानव सेवा का कार्य कोई नहीं हो सकता। शपथ ग्रहण के बाद आयोजित रक्तदान अभियान में वाहिनी मुख्यालय के 30 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके अलावा 8वीं वाहिनी के 25 बचावकर्मियों ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पहुंचकर रक्तदान किया। इस प्रकार कुल 55 अधिकारियों और बचावकर्मियों ने रक्तदान कर समाज के सामने सेवा और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान करने वाले जवानों ने कहा कि मानव जीवन को बचाने में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, शल्य चिकित्सा और आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा नियमित रक्तदान किया जाना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी भ्रम या आशंका से दूर रहकर रक्तदान जैसे सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देता है, बल्कि यह समाज में परस्पर सहयोग और मानवता की भावना को भी मजबूत बनाता है। रक्तदान करने से स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि यह शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया को भी प्रोत्साहित करता है। एनडीआरएफ के अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल केवल आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्यों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। रक्तदान अभियान इसी सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। जवानों द्वारा प्रदर्शित सेवा भावना और मानव कल्याण के प्रति समर्पण एनडीआरएफ के आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव सर्वत्रइ को वास्तविक रूप में चरितार्थ करता है।

लोनी हत्याकांड का खुलासा: पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा, हत्या में प्रयुक्त छुरा बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी थाना पुलिस ने 11 जून को हुए तसलीम उर्फ चीनी हत्याकांड का सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त छुरा तथा घटना के समय पहने गए रक्तरंजित कपड़े भी बरामद किए हैं। मृतक के पिता की तहरीर पर फैसल, शेरुद्दीन, आमिर और आयान समेत अन्य के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों का गठन कर सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मैनुअल इनपुट के आधार पर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान साबिर पुत्र नवाब और आमीन पुत्र मोहम्मद नफीस उर्फ भूरे के नाम भी प्रकाश में आए। मुखबिर की सूचना पर सोमवार को थाना लोनी क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने उनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया छुरा और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में नामजद अन्य वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, शिवभक्ति के माहौल में निकला प्रथम दल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से सोमवार को कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026 के प्रथम दल को भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में रवाना किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर 47 श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को यात्रा के लिए विदा किया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

कैलाश मानसरोवर भवन परिसर शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' के जयघोषों के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। यात्रा पर रवाना होने से पहले सभी श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया।

प्राधिकरण के अनुसार, यात्रा के लिए पंजीकृत 50 श्रद्धालुओं में से चिकित्सा परीक्षण के बाद 47 यात्री पूरी तरह स्वस्थ पाए गए, जिन्हें लाइजन अधिकारियों, आईटीबीपी जवानों और चिकित्सा दल के साथ विशेष बसों से एयरपोर्ट भेजा गया। यह दल सिक्किम के नाथुला दर्रे मार्ग से कैलाश मानसरोवर की 21 दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा पर निकला है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने यात्रियों के पांच दिवसीय प्रवास के दौरान विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराईं, जिनमें आरामदायक आवास, सात्विक भोजन, योग-प्राणायाम प्रशिक्षण, चिकित्सा सहायता और यात्रा संबंधी मार्गदर्शन शामिल रहा। श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का आभार भी व्यक्त किया। प्राधिकरण ने सभी यात्रियों की सुरक्षित, सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ से उनके सकुशल लौटने की प्रार्थना की।

खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा एक्शन: 30 क्विंटल सड़ा-गला अचार नष्ट, छह नमूने जांच को भेजे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाज़ियाबाद जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को खोड़ा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र तिवारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दो अचार निर्माण इकाइयों पर छापेमारी कर लगभग 30 क्विंटल दूषित और दुर्गंधयुक्त अचार को नष्ट कराया। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में अचार अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित पाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने इसे मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त मानते हुए तत्काल विनष्ट कराने की कार्रवाई की। साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के छह नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

शनि बाजार, खोड़ा स्थित पवन सिंह के प्रतिष्ठान पर 20 ड्रमों में रखा लगभग 1000 किलोग्राम आम एवं नींबू का अचार सड़ी-गली अवस्था में मिला, जिसे नष्ट कराया गया। इसके अलावा 180 किलोग्राम मिक्स अचार तथा 8800 किलोग्राम नमक जब्त किया गया। यहां से मिक्स अचार, मसाले युक्त आम अचार और नमक के नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं मास्टर पार्क स्थित राहुल अचार वाले प्रतिष्ठान पर 2000 किलोग्राम नींबू का अचार और 400 किलोग्राम मिक्स अचार दुर्गंधयुक्त एवं अस्वच्छ अवस्था में पाया गया। विभागीय टीम ने उक्त सामग्री को भी जब्त कर नष्ट कराया तथा नींबू अचार, मिक्स अचार और सिरका के नमूने प्रयोगशाला परीक्षण हेतु संग्रहित किए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी कहा कि मिलावटी एवं अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

यूपी-112 की बढ़ी रफ्तार, गाजियाबाद की सड़कों पर दौड़ेंगी 5 नई पल्सर पुलिस बाइकें

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद कमिश्नरेट में आपातकालीन पुलिस सेवाओं को और अधिक तेज एवं प्रभावी बनाने के लिए यूपी-112 परियोजना के तहत पांच नई दोपहिया पीआरवी (पुलिस रिस्पॉन्स व्हीकल) पल्सर मोटरसाइकिलों को शामिल किया गया है। इन वाहनों के जरिए पुलिस अब आपात स्थिति में लोगों तक पहले से अधिक तेजी से पहुंच सकेगी।

पुलिस लाइन गाजियाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल एवं यूपी-112 के नोडल अधिकारी ने इन नई पीआरवी बाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में यातायात, परिवहन शाखा और यूपी-112 के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नई पल्सर पीआरवी को कोतवाली, नंदग्राम, लिंक रोड और टीला मोड़ थाना क्षेत्रों में तैनात किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन बाइकों के शामिल होने से भीड़भाड़ वाले इलाकों और संकरी सड़कों पर पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी। इससे न केवल रिस्पॉन्स टाइम में सुधार आएगा, बल्कि आम नागरिकों को आपातकालीन सहायता भी अधिक तेजी और प्रभावशीलता के साथ मिल सकेगी।

गाजियाबाद में 'ऑपरेशन क्लीन' की दस्तक, हिस्ट्रीशीटरों और अपराधियों का घर-घर सत्यापन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन' अभियान के तहत रविवार को थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। पुलिस उपायुक्त नगर/मुख्यालय धवल जायसवाल के नेतृत्व में संचालित इस अभियान में सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर, थाना प्रभारी निरीक्षक, सभी चौकी प्रभारी एवं पुलिस बल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों, अपराधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के पते, गतिविधियों और वर्तमान स्थिति का गहन सत्यापन किया गया। पुलिस टीमों ने संबंधित व्यक्तियों के बारे में स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई और आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभियान अपराधियों में कानून का भय बनाए रखने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेंगे। पुलिस की इस कार्रवाई से आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है।

वेतन बढ़ोतरी और नियमितीकरण की मांग को लेकर जिम्स कर्मचारियों का प्रदर्शन, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) अस्पताल में सोमवार को कर्मचारियों ने वेतन बढ़ोतरी, नियमितीकरण और वेतन भुगतान में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने संस्थान परिसर में धरना देकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर अस्पताल में सेवाएं दी थीं। उस समय जिम्स प्रशासन की ओर से वेतन वृद्धि और स्थायी नियुक्ति का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वर्षों बाद भी इन मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी सैलरी स्लिप में दर्शाई गई राशि और बैंक खातों में प्राप्त वेतन में अंतर है। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच वर्तमान वेतन में परिवार का पालन-पोषण करना कठिन हो गया है। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने मांग की कि उन्हें नियमित किया जाए, वेतन में उचित बढ़ोतरी की जाए तथा वेतन भुगतान से जुड़ी कथित विसंगतियों की निष्पक्ष जांच कर जल्द समाधान किया जाए।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। वहीं, समाचार लिखे जाने तक जिम्स प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

सरकारी जमीन पर कब्जे का अंत: कुशलिया में गरजा बुलडोजर, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। सोमवार को ग्राम कुशलिया में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की और भूमि को कब्जामुक्त कराया।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को चिन्हित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम कुशलिया में आजाद नामक व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया था, जिसे प्रशासन ने हटाकर जमीन को मुक्त करा लिया है। डीएम ने कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप है, वहीं स्थानीय लोगों ने सरकारी जमीनों को कब्जामुक्त कराने की पहल की सराहना की है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

त्योहारों से पहले पुलिस का शांति संदेश, पीस कमेटी बैठक में सौहार्द बनाए रखने की अपील

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर क्षेत्र में शांति, सद्भाव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्थानीय गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर जोर दिया गया।

एसीपी प्रियाश्री पाल ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश साझा न करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है और सभी के सहयोग से त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

जनता दरबार में डीएम का सख्त संदेश, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दरबार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आवास, भूमि विवाद, अवैध कब्जे और अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने भूमाफियाओं और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा सरकारी एवं निजी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) से जुड़ी शिकायतों पर भी डीएम ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। वहीं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान डीएम ने ‎ॿगरीब का गृह प्रवेश अभियानॿ की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र परिवारों को जल्द से जल्द आवासीय सुविधाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर) गम्भीर सिंह, अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) अवनीश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।